दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

ना करो कभी किसी के......
हिंदी बनी दोस्ती की डोर.....

वर्ष : 12 | अंक : 256 | लखनऊ, 11 सितम्बर, शुक्रवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

पीएम मोदी ने जर्मनी चांसलर मर्ज से की बात

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भारत और जर्मनी के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के अवसर पर संघीय चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत तकनीक समेत कई अहम क्षेत्रों में द्विपक्षीय चर्चा की।

चीन के कार्गो जहाज में लगी आग, 25 की मौत

बीजिंग। चीन के पूर्वी बंदरगाह शहर किंगदाओ में एक शिपयार्ड में मरम्मत के लिए लाए गए विदेशी झंडे वाले कार्गो जहाज में आग लगने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 5 लोग लापता हैं। गुरुवार को सुबह करीब 11:15 बजे शेडोंग प्रांत के किंगदाओ में एक शिपयार्ड में आग लग गई।

नेपाल में मृतकों की संख्या बढ़कर 1,377 हुई

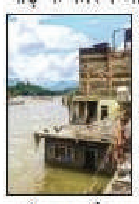

काठमांडू। नेपाल में अचानक आई बाढ़ के कारण जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 1,377 हो गई है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि लापता लोगों की अनुमानित संख्या 5,130 है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से 13,656 लोगों को बचाया जा चुका है।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने साझा किया भविष्य का रोडमैप

2035 तक अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करेंगे 2040 तक चंद्रमा पर उतरेगा एक भारतीय

पीएम नरेंद्र मोदी

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/ नई दिल्ली,

पीएम मोदी ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण 'वसुधैव कुटुंबकम' के सिद्धांत पर आधारित है, जिसका अर्थ है एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य। इस भावना को अब पृथ्वी से परे भी ले जाना होगा। हम अंतरराष्ट्रीय कानून, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग पर आधारित एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और टिकाऊ अंतरिक्ष कार्य क्षेत्र का समर्थन करते हैं

पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पेरिस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि सदियों से अंतरिक्ष ने हमारी कल्पना को प्रेरित किया है। आज यह पृथ्वी पर, जलवायु और फसलों से लेकर महासागरों और समुदायों तक जीवन को आकार दे रहा है।

उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट उतरने वाला पहला देश बनाया। आदित्य-एल1 सूर्य के रहस्यों को उजागर कर रहा है। पिछले वर्ष, एक भारतीय ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा किया। भविष्य में, हमारा लक्ष्य 2035 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना और 2040 तक एक भारतीय को चंद्रमा पर भेजना है।

अंतरिक्ष क्षेत्र में टकराव के बजाए सहयोग, टिकाऊ विकास चुने

भारत का स्पेस प्रोग्राम मानवीय उद्देश्य के साथ जुड़ा हुआ

विश्व को भारत की अंतरिक्ष यात्रा में सहयात्री बनने का न्योता

इसरो का काम विश्व के लिए उपयोगी

पीएम मोदी ने कहा कि इसरो की प्रौद्योगिकियां और साझेदारियां न केवल भारत बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए उपयोगी हैं। इस वैश्विक विश्वास के पीछे पीढ़ियों से कार्यरत भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीशियनों का समर्पण और अथक परिश्रम है। दिन-रात काम करते हुए, उन्होंने मिशन दर मिशन, सफलता दर सफलता इसरो की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ाई है और अंतरिक्ष यात्रा करने वाले देशों में भारत को गौरवपूर्ण स्थान दिलाया है।

भारत ने 34 देशों के 430 उपग्रह अंतरिक्ष में भेजे

पीएम मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की वैश्विक उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि इसरो ने अपनी बेहतरीन और कम लागत वाली सटीक उड़ानों के दम पर पूरी दुनिया में जबरदस्त सम्मान कमाया है। इसरो की क्षमताएं सीधे तौर पर हमारे किसानों और मछुआरों के जीवन को आसान बना रही हैं। यह मौसम की भविष्यवाणी करने, आपदा प्रबंधन और सटीक दिशा-दूरी बताने (नेविगेशन) में लगातार देश और दुनिया की सेवा कर रहा है। 34 देशों के 430 से अधिक उपग्रह भारतीय रॉकेटों के माध्यम से अंतरिक्ष में भेजे जा चुके हैं।

स्पेस डेटा का जनहित में उपयोग करें

पीएम मोदी ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण 'वसुधैव कुटुंबकम' के सिद्धांत पर आधारित है, जिसका अर्थ है एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य। इस भावना को अब पृथ्वी से परे भी ले जाना होगा। हम अंतरराष्ट्रीय कानून, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग पर आधारित एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और टिकाऊ अंतरिक्ष कार्य क्षेत्र का समर्थन करते हैं। पीएम ने जोर देकर कहा कि वैज्ञानिक आंकड़ों और जानकारियों को पूरी ईमानदारी तथा खुलेपन के साथ सभी लोगों की भलाई के लिए साझा किया जाना चाहिए। भारत का पूरा अंतरिक्ष सफर इसी लोक-कल्याणकारी सोच को दर्शाता है और इसे पूरी दुनिया तक पहुंचाना चाहता है।

अंतरिक्ष क्षेत्र को सुरक्षित रखना सामूहिक जिम्मेदारी

पीएम मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष की संभावनाएं असीम हैं और इसे सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आज जैसे-जैसे अंतरिक्ष की कक्षाएं उपग्रहों से भर रही हैं, तकनीकें अधिक शक्तिशाली हो रही हैं और कई नए देश व एजेंसियां इसमें शामिल हो रही हैं, वैसे-वैसे दुनिया के सामने चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। ऐसे समय में हमारे फैसले बिल्कुल साफ होने चाहिए। हमें टकराव के बजाए सहयोग, थोड़े समय के फायदे के बजाए टिकाऊ विकास और किसी को बाहर करने के बजाए सबको साथ लेकर चलने का रास्ता चुनना होगा। भारत का अंतरिक्ष अभियान इसी सोच और सिद्धांत पर आगे बढ़ रहा है।

भारत का निजी अंतरिक्ष क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा

पीएम मोदी ने कहा कि इसरो के साथ-साथ भारत का निजी अंतरिक्ष क्षेत्र भी तेजी से विकास कर रहा है। उद्यमशीलता की ऊर्जा इसरो की उत्कृष्टता के साथ जुड़ रही है। 1960 के दशक में थुम्बा में भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत से ही फ्रांस एक विश्वसनीय भागीदार रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा सहयोग पृथ्वी अवलोकन और उन्नत प्रौद्योगिकियों तक फैला हुआ है, जो वैज्ञानिक उत्कृष्टता को मानवीय उद्देश्य के साथ जोड़ता है। पीएम मोदी ने फ्रांस और विश्व को भारत की अंतरिक्ष यात्रा में सहयात्री बनने के लिए आमंत्रित किया।

'ट्रंप डिविडेंड' के नाम पर करीब 4.77 लाख रुपए मिलेंगे

यूएस में भी बंटेगी 'चुनावी रेवड़ी'

हर नागरिक को देंगे 5 हजार डॉलर, ट्रंप ने किया ऐलान

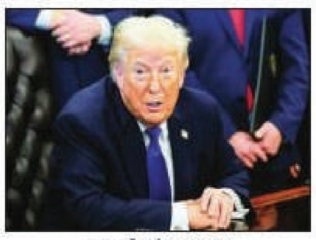

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

ईरान से जंग के बीच अमेरिका में मिडटर्म इलेक्शन (मध्यावधि चुनाव) होने जा रहे हैं। इस चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को जीत हासिल करवाने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा ऐलान कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि अगर 2026 में रिपब्लिकन पार्टी सीनेट और हाउस पर अपना कब्जा बनाए रखती है, तो वे हर वयस्क अमेरिकी नागरिक को 5000 डॉलर का डिविडेंड देंगे।

यानी भारतीय करेंसी की बात करें तो करीब 4.77 लाख रुपए हर अमेरिकी व्यस्क नागरिक को दिए जाएंगे। ट्रंप ने इसे 'ट्रंप डिविडेंड' नाम दिया है। ट्रंप ने कहा कि ये रकम अमेरिका की 'आर्थिक ताकत और सफलता' की वजह से दी जाएगी। ट्रंप ने डैलस में आरएनसी मिडटर्म कन्वेंशन में एक सभा को संबोधित करते हुए ये बात कही है।

ट्रंप के प्लेन का अचानक खुला इमरजेंसी स्लाइडर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को कतर से गिफ्ट में मिले बोइंग 747-8 प्लेन से वॉशिंगटन से टेक्सास के डलास के लिए रवाना हुए। ट्रंप के विमान में सवार होने से कुछ ही देर पहले उसका एक इमरजेंसी स्लाइडर अचानक खुल गया। अधिकारियों ने विमान की जांच की, जिसके बाद ट्रंप ने इसी विमान से उड़ान भरी। बताया गया कि सैन्य कर्मियों से गलती से इमरजेंसी स्लाइड सक्रिय हो गया था। यह घटना उस समय हुई जब ट्रंप डलास में होने वाले रिपब्लिकन मिडटर्म कन्वेंशन में शामिल होने के लिए रवाना होने वाले थे। ट्रंप का विमान बुधवार शाम करीब 5:15 बजे डलास में सुरक्षित उतर गया। इमरजेंसी स्लाइड की घटना के कारण उनकी यात्रा तय समय से करीब दो घंटे देर से हुई।

चुनाव के बाद युद्ध खत्म हो जाएगा

ट्रंप ने कहा कि ईरान युद्ध की वजह से तेल के दाम नीचे आने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि तेल की कीमतों में गिरावट अमेरिकी मिड टर्म इलेक्शन के बाद ही कम होंगी। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि ईरान चाहता है कि अमेरिका में कमजोर लोगों का ग्रुप आ जाए और उन्हें (ईरान) को अकेला छोड़ दिया जाए और उन्हें अपने परमाणु हथियार रखने दिए जाएं। ट्रंप ने ये भी दावा किया है कि चुनाव के कुछ ही दिन बाद युद्ध खत्म हो जाएगा। ट्रंप ने कहा कि ईरान चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा, क्योंकि ईरान अब ज्यादा देर तक नहीं टिक सकता।

भारत और जापान रक्षा सहयोग का अहम पड़ाव

युद्धाभ्यास वीर गार्जियन में भाग लेने पहली बार पहुंचा जापानी लड़ाकू एफ-2 विमान

भारत-जापान के सैनिक

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के लड़ाकू विमान की पहली भारत यात्रा का स्वागत करते हुए इसे भारत-जापान रक्षा साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया है। जेएएसडीएफ का लड़ाकू विमान एफ-2 युद्धाभ्यास वीर गार्जियन 2026 में हिस्सा लेने के लिए भारत पहुंचा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि ऐसे आपसी आदान-प्रदान और संयुक्त सैन्य अभ्यास भारत और जापान के बीच तालमेल को और मजबूत करते हैं।

तीन साल पहले भारतीय विमान जापान पहुंचे थे

जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइज़ुमी ने बताया कि जापानी वायु आत्मरक्षा बल के लड़ाकू विमान की भारत की यह पहली यात्रा है। तीन साल पहले भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान पहली बार जापान गए थे। जापानी लड़ाकू विमान की भारत यात्रा से दोनों देशों के लड़ाकू विमानों के आपसी दौरे की व्यवस्था पूरी हुई है। कोइज़ुमी ने कहा कि पिछले महीने राजनाथ सिंह के साथ हुई बैठक में दोनों पक्षों ने माना था कि यह प्रशिक्षण भारत-जापान रक्षा सहयोग को मजबूत करने वाली एक महत्वपूर्ण पहल है।

सेना की वर्दी पहनने का इरादा पक्का था

अमेजन का 46 लाख का सालाना पैकेज छोड़ बने 'आर्मी' अधिकारी

अमन लेखनी समाचार/लखनऊ

शार्देंदु तिवारी

अमेजन में क्लाउड इंजीनियर के पद पर काम कर रहे लखनऊ के 27 वर्षीय शार्देंदु तिवारी ने 46 लाख का सालाना पैकेज और एअरबस जैसी वैश्विक एयरोस्पेस कंपनी का ऑफर छोड़कर भारतीय सेना की वर्दी को चुना है। उनके पिता राज कुमार तिवारी ने भारतीय सेना की 'आर्मी सर्विस कॉर्प्स' में 36 वर्षों तक देश की सेवा की और ऑनरेरी कैप्टन के पद से सेवानिवृत्त हुए। शार्देंदु ने अपनी पढ़ाई केंद्रीय विद्यालय से की और उसके बाद इंजीनियरिंग संस्थान पीईसी चंडीगढ़ से ग्रेजुएशन पूरा किया। फिर अमेजन में नौकरी छोड़ी। ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी, गया से ट्रेनिंग पूरी करने के बाद वे भारतीय सेना में बतौर अधिकारी कमिशंड हो गए हैं। अपनी नेतृत्व क्षमता और अनुशासन के दम पर अकादमी में 'सीनियर अंडर ऑफिसर' पद भी हासिल किया।

भारत पहुंचे प्रिंस रहीम आगा खान पंचम

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और पीएम मोदी से मिले कई क्षेत्रों में साझेदारी मजबूत करने पर चर्चा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

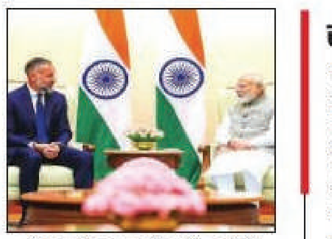

प्रिंस रहीम आगा और पीएम मोदी

भारत की यात्रा पर आए इस्माइली समुदाय के 50वें इमाम प्रिंस रहीम आगा खान पंचम ने गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

पीएम मोदी ने एक पोस्ट में लिखा कि प्रिंस रहीम आगा खान पंचम से मिलकर खुशी हुई। उनके पिता, स्वर्गीय आगा खान चतुर्थ और विकास कार्यों में उनके अहम योगदान को याद किया। हमने हेल्थकेयर, खेती, ग्रामीण विकास, और युवाओं व महिलाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्रों में आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

खेल और शिक्षा पर जोर

आगा खान पंचम ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से भी मुलाकात की। उपराष्ट्रपति के साथ भारत और आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। बातचीत में खास तौर पर खेल और शिक्षा जैसे क्षेत्रों पर जोर रहा। दोनों नेताओं ने कट्टरपंथ को खत्म करने की जरूरत पर सहमति जताई और कहा कि शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि का रास्ता संवाद से होकर गुजरता है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सीजेपी के नेता दास और रांका को दी बड़ी नसीहत

किसी के बारे में बिना पुष्टि किए पोस्ट करना सही नहीं, इसे हटाने को तैयार हों तो जवाब दाखिल करें, उन्होंने फर्जी पोस्ट को भाटिया के नाम से जोड़ दिया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को भाजपा नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया की मानहानि याचिका पर सुनवाई में सीजेपी के सौरव दास और आशुतोष रांका को नसीहत दी। कोर्ट ने कहा कि किसी के बारे में बिना पुष्टि किए पोस्ट करना सही नहीं है और दोनों को पोस्ट हटाने का सुझाव दिया। सुनवाई जस्टिस तुषार राव गेडेला कर रहे थे। भाटिया ने सीजेपी के अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। मामला 5 सितंबर को एक्स पर दास और रांका की एक पोस्ट से जुड़ा है।

भाजपा नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव ने किया था मानहानि केस

यह मामला 5 सितंबर को एक्स पर पोस्ट से संबंधित था

दीपके के वकील ने नाम हटाने का किया था अनुरोध

भाटिया का आरोप है कि इस पोस्ट में एआई की मदद से तैयार एक फर्जी पोस्ट को उनके नाम से जोड़ दिया गया। इसमें कथित तौर पर भाटिया को स्वतंत्र भारद्वाज के लिए 'दिमागी नक्सली' और 'जातिवादी' जैसे शब्द कहते हुए दिखाया गया था। भारद्वाज पर सीजेपी के एक नाबालिग प्रदर्शनकारी से मारपीट करने का आरोप है। कोर्ट ने कहा कि अभिजीत के खिलाफ याचिका में कोई आरोप नहीं है। दीपके के वकील नकुल गांधी ने उनका नाम हटाने का अनुरोध किया। कोर्ट ने सौरव और आशुतोष से कहा विरोध करने के अलग-अलग तरीके हो सकते हैं। लेकिन बिना पुष्टि के इस तरह किसी पर आरोप लगाना सही नहीं है। कोर्ट ने कहा कि अगर वे खुद पोस्ट हटाने को तैयार हैं तो अपने जवाब दाखिल कर सकते हैं।

दास ने कहा पोस्ट हटा दी दूसरी का क्या?

सौरव दास की ओर से बताया गया कि संबंधित पोस्ट पहले ही हटा दी गई है। इस पर कोर्ट ने कहा कि एक और पोस्ट भी की गई थी। कोर्ट ने कहा कि सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन कई बार अपनी बात को ज्यादा स्पष्ट और जिम्मेदारी से रखना जरूरी होता है ताकि उसका सही मतलब सामने आए।

दास ने एआई जनरेटेड ग्राफिक शेयर किया

विवाद तब शुरू हुआ जब दास ने सोशल एक्स पर एक एआई-जेनरेटेड ग्राफिक शेयर किया। इसमें दावा किया गया था कि गौरव भाटिया ने भारद्वाज को 'दिमागी नक्सल' कहा है और उन पर जातिवाद का जहर रखने जैसी टिप्पणी की है। भाटिया ने इन टिप्पणियों से साफ इनकार करते हुए ग्राफिक को फर्जी बताया और दास को पोस्ट हटाने तथा बिना शर्त माफी मांगने के लिए 24 घंटे का समय दिया। दास ने बाद में पोस्ट हटा दी और अपने एक्स अकाउंट पर स्पष्ट किया कि ग्राफिक एआई से तैयार किया गया था।

छत और जीने के रास्ते घरों में घुसे चोर, लाखों के जेवरात-नकदी पार

बेटी की शादी के लिए जुटाए थे गहने और साढ़े तीन लाख रुपये, सुबह टूटे ताले और बिखरा सामान देख मचा हड़कंप

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बीती रात शातिर चोरों ने दो घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात और करीब चार लाख रुपये की नकदी पार कर दी। चोर एक घर में टीनशेड हटाकर आंगन के रास्ते दाखिल हुए, जबकि दूसरे घर में जीने के रास्ते घुसे। सुबह परिजनों की आंख खुली तो कमरों के ताले टूटे मिले और घर का सामान बिखरा पड़ा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम मनकौटी निवासी रामकुमार के घर में चोर टीनशेड हटाकर आंगन के रास्ते से दाखिल हुए। इसके बाद तीन कमरों के ताले तोड़कर अलमारी में रखे सोने के एक माला, मंगलसूत्र, टॉप्स, हार, झुमकी, कान के झाले समेत चांदी के लच्छे, पायल, बिछिया, चूड़ियां और अन्य जेवरात के अलावा करीब साढ़े तीन लाख रुपये नकदी लेकर फरार हो गए। इसके बाद चोरों ने घर के सामने रहने वाले सुनील के घर को निशाना बनाया। यहां जीने के रास्ते से घर में दाखिल होकर चोरों ने सोने का हार, चेन, दो अंगूठियां, झुमकी, बाला, सुई-धागा, पांच पत्ती का माला, चांदी की पाजेब, हाफ पेटी, पायल, चांदी के सिक्के, बिछिया और छह सोने की नथुनियां समेत करीब 50 हजार रुपये नकद पार कर दिए। वारदात के समय सुनील की पत्नी अंशु देवी घर में अकेली थीं। बच्चे मेला देखने मौसी के घर गए थे, जबकि सुनील मध्य प्रदेश के इंदौर में केला फैक्ट्री में काम करते हैं।

खाली पड़ी अलमारी – फोटो

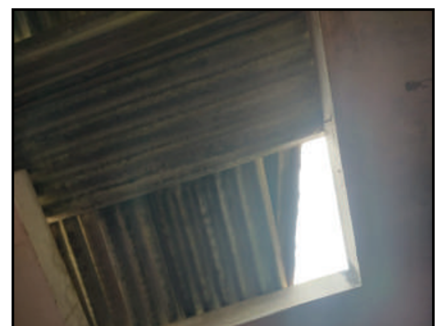
इसी रास्ते से दाखिल हुए थे चोर

सुबह टूटा ताला देखा तो उड़े होश

गुरुवार सुबह करीब पांच बजे परिजनों की नींद खुली तो कमरों के ताले टूटे पड़े थे। अलमारी और बक्सों का सामान फर्श पर बिखरा हुआ था। रामकुमार के घर में जिस रास्ते से चोर दाखिल हुए थे, वहां टीनशेड भी उखड़ा पड़ा था। कुछ ही देर में घटना की जानकारी गांव में फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने आसपास तलाश की तो ललित के खेत में एक खाली बक्सा पड़ा मिला। वहीं कुछ दूरी पर नलकूप की बोरिंग के करीब 30 फीट गहरे कुएं में एक छोटा बैग और कुछ जेवरात के डिब्बे पड़े मिले। करीब 100 मीटर आगे बुद्धा के धान के खेत में पैरों के निशान मिले और धान की फसल भी क्षतिग्रस्त पड़ी थी। इससे आशंका जताई जा रही है कि चोर वारदात के बाद खेतों के रास्ते भागे।

अक्टूबर में होनी थी बेटी की शादी, अब चिंता में परिवार

रामकुमार की पत्नी सुशीला ने बताया कि उनकी बेटी की शादी अगले माह अक्टूबर में होनी है। शादी के लिए काफी समय से गहने और नकदी जुटाकर घर में रखी थी। चोर शादी की तैयारियों के लिए जमा की गई सारी पूंजी ले गए। सुशीला ने भावुक होकर कहा, 'अब कैसे बिटिया के हाथ पीले होंगे।' घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस तरह दोनों घरों में एक के बाद एक चोरी की गई और चोरों ने घरों से निकलने के बाद खेतों के रास्ते भागकर सामान फेंका, उससे किसी बड़े गिरोह के शामिल होने की आशंका है। ग्रामीणों ने पुलिस से जल्द चोरों की गिरफ्तारी और चोरी गया माल बरामद करने की मांग की है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणनायक ने बताया कि मिली तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

छत से गिरकर दूध विक्रेता की मौत, परिवार में मचा कोहराम

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बीती रात छत से गिरकर 55 वर्षीय दूध विक्रेता रईस गाजी की मौत हो गई। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने उन्हें घर के पास खड़ंजे पर मृत पड़ा देखा तो घटना की जानकारी परिजनों को दी। सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के मुताबिक, रहीमाबाद थाना क्षेत्र के कुशलखेड़ा निवासी रईस गाजी बुधवार शाम करीब आठ बजे गांव में चल रहे रामडोल कार्यक्रम को देखकर घर लौटे थे। खाना खाने के बाद वह सोने के लिए छत पर चले गए। देर रात पेशाब करने के लिए उठे और छत के किनारे पहुंचे। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह नीचे मुंह के बल खड़ंजे पर जा गिरे। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौत हो गई। गुरुवार सुबह करीब पांच बजे ग्रामीण खेतों की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर खड़ंजे पर पड़े रईस गाजी पर पड़ी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। मृतक के बेटे शाहरुख ने बताया कि छत के किनारे रेलिंग नहीं बनी थी। इसी वजह से पैर फिसलने के बाद उनके पिता नीचे जा गिरे। रईस गाजी लखनऊ में भैंसों की दूध डेयरी का काम करते थे। परिवार में पत्नी मुन्नी, बेटे फारुख और शाहरुख और तीन बेटियां सोनी, मोनी और मुस्कान हैं। जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार किया है।

मृतक रईस फाइल फोटो

अंडे की दुकान लगाने को लेकर दो पक्षों में विवाद,

दरोगा पर पिस्तौल तानकर युवक को धमकाने का आरोप दरोगा निलंबित

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में बीती रात अंडे की दुकान लगाने को लेकर हुए विवाद मामले में भाजपा बूथ अध्यक्ष ने एक दरोगा सहित कई अन्य पुलिस कर्मियों पर घर में घुसकर मारपीट करने और दरोगा पर पिस्टल तानकर धमकाने का आरोप लगाया है।इस घटना को लेकर नाराज लोगों ने बीती रात बनी - मोहनलालगंज रोड जाम कर दी। सूचना पाकर पहुंचे एसीपी कृष्णा नगर अभिषेक कुमार पांडेय ने किसी तरह समझा बुझाकर मामला शांत कराया। उधर इस मामले में आरोपी दारोगा को निलंबित कर दिया गया है और उसके खिलाफ विभागीय जांच की जा रही है। बंथरा के खसरवारा गाँव निवासी अरविंद रावत बीजेपी में खसरवारा बूथ अध्यक्ष हैं। अरविंद के मुताबिक 9 सितंबर बुधवार रात करीब 8:30 बजे वह गांव में ही साहिल पुत्र सारजन की दुकान पर गया था। जहाँ शनि देव मंदिर और हनुमान मंदिर के पास अंडे की दुकान लगाए जाने को लेकर साहिल से उसकी कहासुनी हो गई। आरोप है कि साहिल ने अपने पिता सारजन और भाई राहुल को बुलाकर अरविंद से धक्का-मुक्की की और गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि थाने पहुंचकर अरविंद ने मामले की तहरीर दी, तो पुलिस ने जांच करने की बात कह कर उसे वापस कर दिया।कुछ देर बाद दूसरे पक्ष की तरफ से तहरीर मिलने पर पुलिस मामले की जांच करने अरविंद के घर पहुंच गई। अरविंद का आरोप है कि रात करीब 11 बजे दरोगा सचिन यादव कुछ पुलिसकर्मियों के साथ एसएचओ के वाहन से उसके घर पहुंचे। वहां मौजूद उसके भाई नरेंद्र, पत्नी नीतू और बच्चों के सामने पुलिसकर्मियों ने अभद्रता की और नरेंद्र को लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। पत्नी नीतू बचाने पहुंचीं तो दरोगा ने उनके पेट में लात मार दी। आरोप है कि पुलिसकर्मी नरेंद्र को पीटते हुए हाईवे की ओर ले गए। नरेंद्र भागकर ओम प्रकाश पुत्र भगवती प्रसाद के घर में चला गया, जहां दरोगा और दो पुलिसकर्मी ओमप्रकाश के घर में घुस गए और उसके साथ मारपीट की। भाई को बचाने पहुंचे अरविंद का आरोप है कि दरोगा ने उसकी कनपटी पर पिस्तौल तान दी और जान से मारने की धमकी दी। विरोध करने पर पिस्तौल की बट से सिर पर वार कर दिया, जिससे उसका सिर फट गया और खून बहने लगा। घटना के बाद ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और बनी - मोहनलालगंज रोड जाम कर दिया। सूचना पर एसीपी कृष्णानगर अभिषेक कुमार पांडे मौके पर पहुंचे और कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। इस मामले में एसीपी कृष्णा नगर अभिषेक कुमार पांडे ने बताया कि साहिल की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच करने गई थी। तभी किसी बात को लेकर विवाद हुआ है। लेकिन अरविंद रावत द्वारा दरोगा पर लगाए गए घर में घुसकर मारपीट करने और पिस्टल तानने के आरोपों की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि गुरुवार शाम आरोपी दरोगा सचिन यादव को निलंबित कर दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

पत्नी प्रेमी संग रहने पर अड़ी, पति ने मंदिर में कराया विवाह

नोटरी से अलगाव के बाद पीआरडी जवान ने खुद पत्नी का हाथ प्रेमी को सौंपा

शादी के बंधन में बंधे प्रेमी और प्रेमिका

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। वैवाहिक रिश्ते से जुड़ा एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक पीआरडी जवान की पत्नी ससुराल से लापता होने के बाद अपने प्रेमी के साथ मिली। पुलिस द्वारा बरामद किए जाने के बाद दोनों पक्षों ने महिला को काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह पति के साथ रहने के लिए तैयार नहीं हुई। अंत में पति ने पत्नी की इच्छा का सम्मान करते हुए पहले नोटरी के माध्यम से अलगाव की प्रक्रिया पूरी की और फिर मंदिर में उसका विवाह प्रेमी के साथ करा दिया। माल क्षेत्र के जगदीशपुर निवासी संजय कुमार की बेटी सोनाली का विवाह 8 मई 2025 को शिवपुरी भदवाना निवासी विक्की के साथ हुआ था। विक्की पीआरडी जवान है। शादी के कुछ समय बाद ही सोनाली अचानक ससुराल से लापता हो गई। काफी खोजबीन के बाद परिजनों ने मलिहाबाद थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। बुधवार को पुलिस ने सोनाली को उसके प्रेमी राहुल रावत के साथ बरामद कर लिया। दोनों को थाने लाए जाने के बाद मायके और ससुराल पक्ष के लोगों की मौजूदगी में काफी देर तक बातचीत और समझाने का दौर चला। परिजनों ने सोनाली को घर-गृहस्थी और सामाजिक प्रतिष्ठा का हवाला देते हुए पति के साथ रहने के लिए समझाया, लेकिन वह राहुल के साथ रहने की अपनी बात पर अड़ी रही।

पत्नी की इच्छा के आगे पति ने लिया फैसला

काफी समझाने के बाद भी जब सोनाली अपने निर्णय से पीछे नहीं हटी तो पति विक्की ने उसकी इच्छा को स्वीकार कर लिया। दोनों पक्षों की आपसी सहमति से पहले नोटरी हलफनामा तैयार कराया गया और अलग होने की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद मलिहाबाद स्थित परम शिवालय मंदिर में सोनाली और राहुल का विवाह कराया गया। बताया गया कि विक्की ने खुद पत्नी का हाथ उसके प्रेमी राहुल के हाथ में सौंपा और दोनों को रीति-रिवाज के साथ विदा किया। यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

सौरभ चौरसिया बने मलिहाबाद विधानसभा के व्यापार सभा अध्यक्ष

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी व्यापार सभा लखनऊ के जिलाध्यक्ष संजय यादव एडवोकेट ने पार्टी नेतृत्व की अनुमति और प्रदेश अध्यक्ष की मंजूरी के बाद माल क्षेत्र के अटेर गांव निवासी सौरभ चौरसिया को मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र का समाजवादी व्यापार सभा का विधानसभा अध्यक्ष मनोनीत किया है। जारी मनोनयन पत्र में व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल की संस्तुति का भी उल्लेख किया गया है। सौरभ चौरसिया के मनोनयन की जानकारी मिलते ही समर्थकों और पार्टी कार्यकताओं में खुशी का माहौल बन गया। कार्यकताओं ने उन्हें बधाई देते हुए संगठन को मजबूत करने की उम्मीद जताई। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि सौरभ चौरसिया के नेतृत्व में मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र में व्यापार सभा के संगठन को और मजबूती मिलेगी। साथ ही समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं विचारों को व्यापारियों और आमजन तक पहुंचाने के लिए संगठन स्तर पर सक्रियता बढ़ेगी। मनोनयन के बाद सौरभ चौरसिया ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वह संगठन को मजबूत करने के साथ ही क्षेत्र के व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। उनके मनोनयन पर समर्थकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

आत्महत्या रोकथाम जागरूकता कार्यशाला का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर के लतीफ नगर स्थित राजकीय महाविद्यालय में गुरुवार को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य में आत्महत्या रोकथाम जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. सुषमा देवी के संरक्षण में मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. इरम फात्मा द्वारा आयोजित कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को आत्महत्या की रोकथाम के प्रति जागरूक रहने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान डॉ. इरम फात्मा ने कहा कि संकट की स्थिति से गुजर रहे लोगों के प्रति संवेदनशील और सहयोगात्मक रवैया अपनाना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक समस्याओं और आत्महत्या के संभावित चेतावनी संकेतों के प्रति सजग रहने की जानकारी दी। साथ ही समय रहते मदद और परामर्श प्राप्त करने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए काउंसलिंग की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। वहीं प्राचार्य प्रो. सुषमा देवी ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। किसी समस्या के समय सहायता मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस और आत्म-जागरूकता का संकेत है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने साथियों की भावनात्मक स्थिति को समझने और जरूरत पड़ने पर सहयोग करने की अपील की। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राध्यापक पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. शिल्पी सिंह, डॉ. ममता मधुर, डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, डॉ. वंदना मिश्रा, डॉ. सौरभ यादव, डॉ. रीनू गिल और वंदना सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

माल में जन प्रगति पार्टी के कार्यालय का भव्य उद्घाटन

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने फीता काटकर किया शुभारंभ, कार्यकताओं में दिखा उत्साह

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। जन प्रगति पार्टी ने माल क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देते हुए गुरुवार को माल पुराने डाकखाने के पास अपने नए पार्टी कार्यालय का भव्य उद्घाटन किया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मृत्युंजय मिश्रा ने फीता काटकर कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और समर्थकों के साथ बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के पहुंचते ही कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस दौरान 168 मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रत्याशी एवं जिला अध्यक्ष कुशुम लता तथा प्रदेश अध्यक्ष बब्लू कुमार ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मृत्युंजय मिश्रा का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में पार्टी के आचार्य जय जय शंकर पांडेय, अजय दीक्षित, दुर्गेश बाजपेई, सुनील तिवारी, प्रीति सिंह तथा दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष शिशिर जी समेत अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष मृत्युंजय मिश्रा ने कार्यकताओं से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और जनता से लगातार संवाद बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन की मजबूती उसके कार्यकताओं की मेहनत और जनता से जुड़ाव पर निर्भर करती है। कार्यकताओं को क्षेत्र की समस्याओं को समझकर उन्हें उचित मंच तक पहुंचाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष बब्लू कुमार और जिला अध्यक्ष कुशुम लता ने भी कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को और विस्तार देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यालय खुलने से कार्यकताओं को संगठन से जुड़े कार्यों को संचालित करने में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों को गति मिलेगी। समारोह में मौजूद कार्यकताओं और क्षेत्रीय जनता ने संगठन को मजबूत करने तथा आगामी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प जताया। इस दौरान पार्टी की आगामी रणनीति और क्षेत्र में संगठन की सक्रियता बढ़ाने को लेकर भी चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

पार्षद रामनरेश रावत ने इंटरलॉकिंग सड़क व पक्की नाली निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर द्वितीय वार्ड-18 के हनुमंत नगर (बदाली खेड़ा) में गुरुवार को इंटरलॉकिंग सड़क व पक्की नाली निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में पूजा-अर्चना के बाद नारियल फोड़कर निर्माण कार्य की शुरूआत की गई। पार्षद राम नरेश रावत ने बताया कि अशोक पवार के घर के सामने से रामतीर्थ के घर होते हुए हरिद्वार सिंह के घर तक करीब 100 मीटर लंबी और पांच मीटर चौड़ी इंटरलॉकिंग सड़क व दोनों तरफ पक्की नाली का निर्माण महापौर सुषमा खर्कवाल की निधि के करीब 10 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे स्थानीय लोगों को जलभराव और गंदगी की समस्या से राहत मिलेगी। पार्षद प्रतिनिधि संतोष त्रिपाठी ने बताया कि यह सड़क लंबे समय से कच्ची पड़ी थी। पानी की निकासी की व्यवस्था न होने के कारण घरों का गंदा पानी सड़क पर ही जमा रहता था। इससे सड़क पर गड्ढे और कीचड़ होने के कारण लोगों को पैदल आने-जाने में परेशानी होती थी। बारिश के अलावा सामान्य दिनों में भी लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता था। वहीं निर्माण कार्य शुरू होने पर स्थानीय लोगों ने खुशी जताई और पार्षद रामनरेश रावत को फूल-माला पहनाने के साथ लड्डू खिलाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में आलोक, हरिद्वार सिंह व सतीश वर्मा समेत राजेश गुप्ता, आशीष सिंह, कुलदीप शर्मा, विजय शर्मा, सज्जन लाल, पुष्पेंद्र मिश्रा, करुणा शंकर, अशोक पवार, राजू सिंह, प्रिंस, फूलचंद, रितेश, सुनीता शर्मा, राधा देवी व सुशील शर्मा सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे। संतोष त्रिपाठी ने विकास कार्य के लिए सांसद एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, नगर आयुक्त गौरव कुमार और पार्षद रामनरेश रावत के प्रति आभार जताया।

बीसीआई ने निलंबन आदेश पर लगाई रोक, सेंट्रल बार अध्यक्ष और महामंत्री को मिली राहत

प्रैक्टिस अधिकार निलंबन मामले में भारतीय विधिज्ञ परिषद का अंतरिम फैसला

अमन लेखनी समाचार / सौरभ सिंह

लखनऊ। भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) ने सेंट्रल बार एसोसिएशन लखनऊ के अध्यक्ष अखिलेश जायसवाल और महामंत्री अवनीश दीक्षित के प्रैक्टिस अधिकार निलंबन मामले में उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के आदेश पर रोक लगा दी है। बीसीआई के इस आदेश के बाद दोनों अधिवक्ता फिलहाल पूर्व की तरह न्यायालयों और न्यायिक मंचों पर अधिवक्ता के रूप में कार्य कर सकेंगे। मिस. याचिका संख्या-05/2026 में 10 सितंबर 2026 को पारित आदेश में बीसीआई ने कहा कि अधिवक्ता के प्रैक्टिस प्रमाण पत्र या अधिवक्ता के रूप में कार्य करने के अधिकार को निलंबित करने के लिए अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाना आवश्यक है। परिषद ने कहा कि इस तरह के मामलों में निर्णय अनुशासन समिति की प्रक्रिया के तहत लिया जाना चाहिए। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश बार काउंसिल ने सेंट्रल बार एसोसिएशन लखनऊ से जुड़ी प्रस्तावित कार्रवाई के आधार पर अखिलेश जायसवाल और अवनीश दीक्षित के प्रैक्टिस अधिकार एवं प्रमाण पत्र के निलंबन का आदेश जारी किया था। इस आदेश को चुनौती दिए जाने के बाद बीसीआई ने सुनवाई करते हुए फिलहाल निलंबन आदेश के प्रभाव पर रोक लगा दी है। सुनवाई के दौरान बीसीआई ने सेंट्रल बार एसोसिएशन लखनऊ के चुनाव कराने वाली निगरानी समिति के सदस्य रहे श्रीनाथ त्रिपाठी की भूमिका पर भी टिप्पणी की। परिषद ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया से जुड़े व्यक्ति का बाद में उन्हीं पदाधिकारियों से संबंधित अनुशासनात्मक कार्यवाही में शामिल होना उचित नहीं माना जा सकता। बीसीआई ने उत्तर प्रदेश बार काउंसिल को अनुशासन समिति के गठन पर पुनर्विचार करने के निर्देश दिए हैं। बीसीआई का यह आदेश फिलहाल मामले में अंतरिम राहत के रूप में देखा जा रहा है। आगे की कार्रवाई संबंधित कानूनी प्रक्रिया और अनुशासनात्मक कार्यवाही के परिणाम पर निर्भर करेगी। वहीं, दोनों पक्षों की ओर से मामले को लेकर अपने-अपने तर्क रखे गए हैं।

पुलिस की तत्परता किशोरी सकुशल बरामद

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। घर से बिना बताए निकली 17 वर्षीय किशोरी को मोहनलालगंज पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सकुशल बरामद कर लिया किशोरी के मिलने की सूचना पर परिजनों ने राहत की सांस ली पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद किशोरी को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया पुलिस के मुताबिक मंगलवार को किशोरी बिना बताए घर से निकल गई थी काफी देर तक घर नहीं लौटने पर पिता ने पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए किशोरी की तलाश शुरू कर दी पुलिस टीम ने संभावित स्थानों पर तलाश के साथ उपलब्ध जानकारी के आधार पर किशोरी का पता लगाने के प्रयास किए वही पुलिस की सक्रियता से किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया गया इसके बाद आवश्यक कार्रवाई पूरी कर उसे माता-पिता को सौंप दिया गया किशोरी के सकुशल मिलने पर परिजनों ने पुलिस का आभार जताया। बरामदगी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सरिमन सोनकर, उपनिरीक्षक मंगल कुमार यादव कांस्टेबल अमरजीत यादव और महिला कांस्टेबल हिमानी शामिल रहीं।

रात के अंधेरे में आना-जाना दे रहा जान की दावत, हरौनी रेलवे ओवरब्रिज पर सुरक्षा इंतजाम नदारद

अमन लेखनी समाचार/संवाददाता - शुभम सिंह चौहान

लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र के हरौनी में करीब तीन साल में बनकर तैयार हुआ रेलवे ओवरब्रिज रात के समय अंधेरे में डूबा नजर आता है। ओवरब्रिज पर पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा संबंधी इंतजाम न होने के कारण यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आए दिन हादसे भी सामने आते रहते हैं। बीती रात हरौनी निवासी मोनू गुप्ता भी सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों में ओवरब्रिज की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल सड़क पर डामर डालकर ओवरब्रिज तैयार कर देना ही पर्याप्त नहीं है। राहगीरों और वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए बेहतर प्रकाश व्यवस्था, सड़क पर रिफ्लेक्टर, रिफ्लेक्टिव मिरर और अन्य आवश्यक सुरक्षा संकेतक लगाए जाना भी बेहद जरूरी है। रात के समय अंधेरे में ओवरब्रिज पर सामने से आने वाले वाहन स्पष्ट दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। लोगों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि ओवरब्रिज पर तत्काल पर्याप्त स्ट्रीट लाइट, रिफ्लेक्टर और सुरक्षा उपकरण लगाए जाएं, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे को रोका जा सके।

दहेज उत्पीड़न का आरोप, पति समेत तीन पर मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। दहेज के लिए विवाहिता से मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में नगराम पुलिस ने पति समेत ससुराल पक्ष के तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया भौराकला गांव निवासी प्रांशी पटेल उर्फ शिवानी की शादी बिगड़िया गांव निवासी अंकित पटेल से हुई विवाहिता ने आरोप लगाया कि ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर उसे मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे उसके पिता के साथ भी मारपीट और गाली-गलौज का आरोप लगाया गया मध्यस्थता विफल होने के बाद पुलिस ने पति अंकित पटेल ससुर अनिल कुमार पटेल और सास के खिलाफ बीएनएस व 3/4 डीपी एक्ट के तहत केस दर्ज किया विवेचना उपनिरीक्षक हिमांशु पाण्डेय को सौंपी गई।

संक्षेप

महिला से छेड़छाड़ और धक्का-मुक्की, विरोध करने पर जान से मारने की धमकी

बीघापुर, उन्नाव। थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में अपनी बेटी का इलाज कराकर घर लौट रही एक महिला के साथ गांव के ही एक युवक द्वारा रास्ते में छेड़छाड़, धक्का-मुक्की और जान से मारने की धमकी देने का मामला पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता 30 अगस्त की शाम लगभग 6 बजे बीघापुर से अपनी बेटी का अल्ट्रासाउंड कराकर अपने गांव वापस लौट रही थीं। कि रास्ते में गांव का ही व्यक्ति रास्ते में भरे पानी से निकलकर अचानक महिला के पास आया और नियत खराब कर छेड़छाड़ करने लगा। जब पीड़िता ने खुद को बचाने की कोशिश की, तो आरोपी ने उसे पानी में धक्का देकर गिराने का प्रयास किया। पीड़िता के कड़े विरोध करने पर आपा खो बैठा और उसने महिला व उसके पूरे परिवार को जान से मार देने की धमकी दी तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल प्रारंभ कर दिया।

पिकअप ने कार में मारी जोरदार टक्कर, कार के उड़े परखच्चे, चालक फरार

पुरवा, उन्नाव। थाना क्षेत्र के मंगतखेड़ा-कांथा मार्ग पर 7 सितंबर को दिन में करीब 11 बजे तेज गति से आ रही एक पिकअप ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि कार में सवार लोग सुरक्षित बच गए। तारागढ़ी गांव निवासी राहुल कुमार ने कोतवाली पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि कार UP 35 BJ 9094 उनकी मां संतोष कुमारी के नाम दर्ज है, जिसे गांव के ही अमरेश सिंह चला रहे थे। मंगतखेड़ा से कांथा की ओर जा रहे थे, तभी पीछे से आई तेज रफ्तार पिकअप ने क्रॉस करने के दौरान कार में साइड से टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद चालक पिकअप सहित मौके से भाग निकला। पीड़ित ने पुलिस से आरोपी पिकअप चालक के खिलाफ कार्रवाई और नुकसान की भरपाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है।

पड़ोसी युवक पर घर में घुसकर गाली-गलौज और पति-पत्नी से मारपीट का आरोप

पुरवा, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के गांव मिजार्पुर सुम्हारी निवासी मालती पत्नी दयाशंकर ने पड़ोसी युवक पर गाली-गलौज और मारपीट का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़िता ने बताया कि 3 सितंबर की रात करीब 9 बजे पड़ोस का नीरज पुत्र श्रीपाल यादव नशे की हालत में उसके घर आया और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर मारपीट पर आमादा हो गया। पति ने मना किया तो उसके साथ भी मारपीट की, जिससे दोनों को चोटें आईं। पीड़िता जब घटना का वीडियो बनाने लगी तो आरोपी ने उसका मोबाइल छीन लिया और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। कोतवाल भूवन सिंह मौर्य ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मिशन शक्ति अभियान के तहत कस्तूरबा विद्यालय में छात्राओं को सिखाए सुरक्षा के गुर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत थाना दही और महिला थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय टीकरगढ़ी में छात्राओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में छात्राओं को नारी सुरक्षा, साइबर अपराध, सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल और आपात स्थिति में पुलिस एवं हेल्पलाइन सेवाओं की मदद लेने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह ने की। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी तरह की परेशानी अथवा उत्पीड़न को चुपचाप सहन करने के बजाय तत्काल पुलिस, मिशन शक्ति टीम या संबंधित हेल्पलाइन से संपर्क करना चाहिए। उन्होंने छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ अपनी समस्याएं सामने रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह ने महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छेड़छाड़, उत्पीड़न अथवा किसी भी आपात स्थिति में छात्राएं बिना किसी संकोच के सहायता मांग सकती हैं।

साइबर ठगी से बचने के बताए तरीके

पुलिस टीम ने छात्राओं को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति भी सचेत किया। साइबर थाना से पहुंचे पुलिसकर्मियों ने बताया कि अनजान लिंक पर क्लिक करने, संदिग्ध एप डाउनलोड करने अथवा किसी अनजान व्यक्ति को ओटीपी, पासवर्ड, बैंक खाते या अन्य गोपनीय जानकारी देने से आर्थिक नुकसान हो सकता है। छात्राओं को सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करने तथा अजनबियों से ऑनलाइन बातचीत के दौरान व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने की सलाह दी गई। साइबर अपराध होने की स्थिति में तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई।

हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को प्रमुख हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी देते हुए बताया–

1090 झ महिला पावर लाइन
181 झ महिला हेल्पलाइन
112 झ पुलिस आपातकालीन सेवा
1098 झ चाइल्ड हेल्पलाइन
1930 झ साइबर क्राइम हेल्पलाइन
1076 झ मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति एवं महिला सुरक्षा से संबंधित पोस्टर और पंपलेट भी वितरित किए गए। इनके माध्यम से छात्राओं को सरकारी योजनाओं, सहायता सेवाओं और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई।

सेल्फ डिफेंस की कक्षाएं कराने का आश्वासन

क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह ने विद्यालय में छात्राओं के आत्मविश्वास और आत्मरक्षा कौशल को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यालय में सेल्फ डिफेंस की कक्षाएं संचालित कराने का आश्वासन दिया, ताकि छात्राएं विपरीत परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा के लिए आवश्यक कौशल विकसित कर सकें।

कार्यक्रम में प्रभारी निरीक्षक थाना दही ज्ञानेंद्र सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक उमेश चंद, परिवार परामर्श केंद्र समिति के प्रभारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव, साइबर थाना से आरक्षी शमसुद्दीन, विपिन और मोनू सहित महिला आरक्षी मांडवी, प्रिया, विभा, प्रतिमा शाक्य, उपासना, पूजा चौधरी और अंजली कुशवाहा तथा होमगार्ड सोनी मौजूद रहीं।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या बीना चौहान ने कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

जांच कमेटी की रिपोर्ट अटल पार्क में क्षतिग्रस्त बीम स्वतः नहीं गिरी, अराजक तत्वों ने जेसीबी से गिराया

अमन लेखनी समाचार

मौरावां, उन्नाव। नगर पंचायत मौरावां के अटल पार्क में क्षतिग्रस्त हुई बीम को लेकर एसडीएम पुरवा दिग्विजय सिंह के निर्देश पर गठित जांच कमेटी ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच में बीम स्वतः न गिरकर अराजक तत्वों द्वारा जेसीबी मशीन से गिराया जाना पाया गया।

एसडीएम के संज्ञान में आने के बाद अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत मौरावां संतोष चतुर्वेदी, राजस्व निरीक्षक बृजेश सिंह, कानूनगो निशांत वर्मा, क्षेत्रीय लेखपाल सतनाम सिंह, लेखपाल पुरवा और अवर अभियंता प्रमोद कुमार की टीम ने स्थलीय निरीक्षण किया। इससे पहले अवर अभियंता ने अपनी आख्या में बीम को जानबूझकर क्षतिग्रस्त किए जाने की रिपोर्ट दी थी।

जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि ढांचे की तकनीकी स्थिति देखने पर बीम से ईंट की चुनाई अच्छी तरह चिपकी हुई है और ईंट की चुनाई का क्षतिग्रस्त हिस्सा बड़े-बड़े ब्लॉकों में है, चुनाई भरभराई नहीं है, अर्थात कार्य की गुणवत्ता अच्छी है। सरिया टेढ़ा होना प्रतीत हो रहा था कि जेसीबी द्वारा गिराई गई है, क्योंकि इसका स्वतः गिरना मुमकिन नहीं है। दाहिनी तरफ के दोनों सिरे बिल्कुल ठीक हैं, उनमें कोई बैठाव नहीं हुआ है और न ही कोई दरार है। समस्त तकनीकी और भौतिक तथ्यों के विश्लेषण एवं अवर अभियंता उन्नाव की तकनीकी व्याख्या के आधार पर समिति एकमत है कि बीम स्वतः न गिरकर अराजक तत्वों द्वारा भारी मशीन जेसीबी का प्रयोग कर गिराई गई है। समिति ने अराजक तत्वों के विरुद्ध सार्वजनिक संपत्ति निवारण अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने की संस्तुति की है।

रेल मार्ग पर बने अंडर पास में भरा पानी राहगीरों के लिए मुसीबत

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। क्षेत्र में बालामऊ कानपुर रेल मार्ग पर बने अंडरपास जलभराव के कारण राहगीरों के लिए मुसीबत बने हैं। इन अंडरपास में पानी भर जाने से वाहन तो दूर पैदल निकलना भी कठिन हो जाता है। इधर हो रही बरसात में रेलमार्ग पर मिट्ठू खेड़ा गाँव को जाने वाले रास्ते पर बना अंडरपास जलभराव होने जाने के कारण आने जाने के योग्य नहीं रह गया है। पानी भर जाने से मोटरसाइकिल आधे से अधिक डूब जाती है जिससे उनके इंजन में खराबी आ जाती है। इसके साथ ही गिरकर चोटिल होने का खतरा भी बना रहता है। इस मार्ग से ऊगू कस्बा सहित कई गांवों के लोगों का आना जाना ब्लॉक अस्पताल बाजार तक रहता है। लेकिन जलभराव से जोखिम बना रहता है। अधिक जलभराव होने पर कई बार पानी निकाला गया लेकिन वाटर लेवल बढ़ जाने से फिर पानी भर जाता है। क्षेत्रीय लोगों ने इस जलभराव की समस्या से स्थाई रूप से निजात दिलाने की माँग प्रशासन व रेल विभाग से की है।

बाल श्रम के खिलाफ अभियान, छह बाल एवं किशोर श्रमिक चिन्हित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। प्रदेश को वर्ष 2027 तक बाल श्रम मुक्त बनाने के लक्ष्य के तहत उन्नाव जिले में बाल श्रम के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर गठित टास्क फोर्स ने गुरुवार को तहसील पुरवा क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान चार प्रतिष्ठानों की जांच में छह बाल एवं किशोर श्रमिकों का चिन्हांकन किया गया। सहायक श्रमायुक्त एसएन नागेश ने बताया कि बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 में संशोधन-2016 तथा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के प्रावधानों के तहत जिले में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य बाल एवं किशोर श्रमिकों को चिन्हित कर उन्हें श्रम से मुक्त कराने के साथ-साथ उनके पुनर्वासन की व्यवस्था सुनिश्चित करना है। इसके अलावा सड़कों पर रहने वाले और बेघर बच्चों के बचाव एवं पुनर्वासन पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में पुरवा तहसील क्षेत्र में श्रम विभाग और एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम की संयुक्त कार्रवाई हुई। अभियान में श्रम प्रवर्तन अधिकारियों राधेश्याम सिंह इन्दीवर जोशी एवं राजेन्द्र कुमार के साथ एएचटी के सब इंस्पेक्टर दसरथराम सिसौदिया, कांस्टेबल दिव्या मिश्रा सहित अन्य कर्मी शामिल रहे। टीम ने कुल चार प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया और वहां छह बाल एवं किशोर श्रमिकों को चिन्हित किया।उल्लंघन करने वालों पर होगी कार्रवाई निरीक्षण के दौरान बाल एवं किशोर श्रम से जुड़े नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित सेवायोजकों के विरुद्ध मौके पर ही निरीक्षण टिप्पणी जारी की गई। अधिकारियों के अनुसार मामले में नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया कि बाल श्रम कराने वाले प्रतिष्ठान संचालकों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।बाल श्रम रोकने में सहयोग की अपीलश्रम विभाग ने जिले के सभी दुकानदारों, प्रतिष्ठान संचालकों और सेवायोजकों से अपील की है कि वे नाबालिग बच्चों से श्रम न कराएं और जिले को बाल श्रम मुक्त बनाने के अभियान में प्रशासन का सहयोग करें। अधिकारियों ने कहा कि बच्चों को शिक्षा, संरक्षण और सुरक्षित भविष्य का अधिकार दिलाने के लिए बाल श्रम के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

पुत्री के ससुरालीजनो पर पिता ने लगाया दहेज उत्पीड़न करने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के जारुल्ला नगर गांव निवासी पिता ने ससुराली जनो के खिलाफ बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने और डेढ़ साल की पोती के साथ घर से निकालने का आरोप लगाते हुए गुरुवार एसपी कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई इससे पहले उन्होंने थाने में भी शिकायत दर्ज कराई थी लेकिन कोई कारवाई नहीं हुई थाना क्षेत्र के जारुल्लानगर गांव निवासी मेहंदी हसन खां ने दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि उनकी बेटी अरशद बानो का निकाह 12 नवंबर 2023 को सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कांशीराम नगर निवासी आरिफ खान से हुआ था उन्होंने अपनी हैसियत के हिसाब से करीब 10 लाख रुपये खर्च किए थे और दान-दहेज भी दिया था इसके बावजूद ससुराली जन संतुष्ट नहीं थे बेटी का पति आरिफ खान, सास आसिया और जेठ अख्खेखान ने अतिरिक्त दहेज में दो लाख रुपये नकद, एक तोला सोने की चेन और अपाचे बाइक की मांग की जबकि शादी के समय स्प्लेंडर बाइक दी गई थी दंपति की डेढ़ साल की बेटी हिबा है आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर अरशद बानो को कम दहेज लाने का ताना देकर पीटा और प्रताड़ित किया जाता था बीमार होने पर उसका इलाज भी नहीं कराया गया जाता पिता का आरोप है कि करीब छह महीने पहले ससुराल वालों ने मारपीट कर बेटी के कपड़े और जेवर छीन लिए थे इसके बाद डेढ़ साल की हिबा के साथ उसे घर से निकाल दिया गया तब से वह अपने मायके में रह रही है ससुराल वालों से बेटी को बिना किसी विवाद के रखने का आग्रह किया लेकिन उन्होंने अतिरिक्त दहेज के बिना उसे रखने से मना कर दिया परिवार में सुधार की उम्मीद में काफी समय तक शिकायत नहीं की गई कोई समाधान न होने पर अब थाने में प्रार्थना पत्र देने के साथ गुरुवार एसपी से शिकायत की गई है उन्होंने मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की बात कही है।

बढ़ते जलस्तर से ग्रामीणों के सामने बढ़ी अनेकों मुसीबतें

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के साथ ही तमाम गांवों में ग्रामीणों की मुसीबते भी बढ़ती जा रही है बिजली, पानी, आवागमन की समस्या के साथ ही जिंदगी एक सीमित दायरे में सिमटती दिख रही है खुद के साथ पालतू पशुओं के रखकरखाव में खासी मुसीबत झेलनी पड़ रही है।

बांगरमऊ के प्रमुख बाढ़ग्रस्त गांव नया पुरवा, मल्लहन पुरवा, भिखार पुरवा, हरीगंज, कुशाल पुरवा, धन्ना पुरवा यह छह गांव बाढ़ के पानी से टापू बन चुके है आवागमन हेतु एक मात्र साधन नाव ही है जिससे ग्रामीण जरूरी कार्यों हेतु आवागमन कर रहे है उसके अलावा गांवों के आसपास की खेती जलमग्न होने से हरे चारे की व्यस्था समाप्त हो चुकी है जिससे वह पालतू पशुओं को घरों में या गांव स्थित ऊंची सड़क या टीले पर रखने को मजबूर है इन गांवों के ग्रामीणों की जिंदगी घरों में ही कैद होकर रह गई है।इसके अलावा तलहटी के गांव गहर पुरवा, सहिबापुर, कुंशी, मितान पुरवा, भगवंत पुरवा, रतई पुरवा, खैरुद्दीनपुर, सेतुवाही, गढ़ेवा, बगिया आदि गांव भी बाढ़ के पानी से घिरने लगे है।साथ ही बाढ़ का पानी धीरे धीरे दूर दराज के गांव मेला आलमशाह, मेलाराममुंवर, दारापुर, छतरा पुर, कोलिया, अलौलापुर आदि सहित तमाम गांव बाढ़ की जद में आ चुके है। बाढ़ के क्रम में बांगरमऊ नगर के निकट से गुजरी कल्याणी नदी का जलस्तर बढ़ने से गांव लोनारी, कुशराजपुर, भिखारी पुर कस्बा, खार पुरवा, भिलोई, मुझइया आदि गांवों के निकट की खेती जलमग्न होने से बाढ़ के हालात बनते दिख रहे है।उधर हरदोई बार्डर पर स्थित सई नदी भी उफान पर है जिससे किनारे के गांवों की खेती जलमग्न होने से फसलें बर्बाद होने लगी है। कुल मिलाकर बांगरमऊ तहसील क्षेत्र स्थित छेत्रफल के दृष्टिकोण से लगभग आधा इलाका बाढ़ की चपेट में आता दिख रहा है यदि जलस्तर में वृद्धि जारी रही तो आगामी समय बाढ़ से हालात बेकाबू हो सकते है।

पारिवारिक कलह से तंग आकर महिला ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला की समाप्त

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के पोरई गांव में पारिवारिक कलह के कारण एक 32 वर्षीय महिला ने घर के कमरे में छत के पंखे से चादर के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, पोरई गांव निवासी वीरेंद्र कुमार लोध की पत्नी नन्नका (32) ने बुधवार रात लगभग 11:00 बजे यह आत्मघाती कदम उठाया। घटना के पीछे की वजह पारिवारिक कलह बताई जा रही है। मृतका अपने पीछे तीन मासूम बच्चों– बेटी अंशिका (13), बेटा नरेंद्र (8) और अयांश (3) को छोड़ गई है। घटना के बाद से सास शिव दुलारी का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है। थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। परिजनों से तहरीर मिलने पर आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लेफ्टिनेंट पद पर हुआ चयन पैतृक गांव लौटे नवयुवक का किया गया जोरदार स्वागत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। विकासखंड के कुसैला गांव के मजरे बाकरखेड़ा निवासी अमन पाल का भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद पर चयन होने के बाद एक वर्ष का प्रशिक्षण पूरा कर गांव लौटने पर ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। अमन की उपलब्धि से परिवार के साथ ही पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने फूल-मालाएं पहनाकर और मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुसैला गांव निवासी सुरेश पाल के छोटे बेटे अमन पाल ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद हासिल किया। चयन के बाद उन्हें चेन्नई में एक वर्ष का सैन्य प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद जब अमन अपने गांव पहुंचे तो परिजनों और ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके गांव पहुंचते ही बधाई देने वालों का तांता लग गया। अमन की इस सफलता से केवल बाकरखेड़ा और कुसैला गांव ही नहीं, बल्कि आसपास के गांवों में भी खुशी का माहौल रहा। युवाओं और ग्रामीणों ने अमन को क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि उनकी सफलता से अन्य युवाओं को भी सेना में जाने और देशसेवा के लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।वहीं विधायक बंबालाल दिवाकर भी अमन पाल के आवास पहुंचे और उन्हें लेफ्टिनेंट बनने पर बधाई दी। विधायक ने उनकी सफलता की सराहना करते हुए कहा कि गांव के युवा का भारतीय सेना में अधिकारी बनना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने अमन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।गांव लौटने के बाद अमन पाल ने बड़ादेव स्थित मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और शुभचिंतक मौजूद रहे। परिवारजनों ने अमन की सफलता का श्रेय उनकी मेहनत, अनुशासन और लगन को दिया।

मीट की दुकानों की बढ़ती संख्या पर उठे सवाल, बिना लाइसेंस कारोबार का आरोप

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्लागंज क्षेत्र में मीट की दुकानों के संचालन को लेकर खाद्य सुरक्षा मानकों और लाइसेंस व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नगर के कई इलाकों में बिना वैध खाद्य लाइसेंस और आवश्यक अनुमति के खुलेआम मीट की बिक्री की जा रही है। कई स्थानों पर खुले में मांस टांगे जाने तथा साफ-सफाई एवं अन्य निर्धारित मानकों का पालन न किए जाने की शिकायतें भी सामने आई हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की प्रभावी निगरानी नहीं होने के कारण पिछले कुछ वर्षों में ऐसी दुकानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। नागरिकों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर वैध और अवैध दुकानों की स्थिति स्पष्ट करने तथा नियमों का उल्लंघन मिलने पर कार्रवाई की मांग की है।

चार साल में दुकानों की संख्या बढ़ने का दावा

स्थानीय निवासियों के मुताबिक वर्ष 2022 के आसपास शुक्लागंज क्षेत्र में बड़े मीट की गिनी-चुनी दुकानें संचालित थीं। उनका दावा है कि वर्तमान में विभिन्न मोहल्लों और मुख्य मार्गों के आसपास मीट की दुकानों की संख्या बढ़कर करीब 8 से 10 अथवा इससे अधिक हो गई है।

हालांकि इन दुकानों में से कितनी दुकानों के पास खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग का वैध लाइसेंस, नगर पालिका की अनुमति अथवा अन्य आवश्यक दस्तावेज हैं, यह संबंधित विभाग की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। नागरिकों ने विभाग से दुकानों का सत्यापन कराने की मांग की है।स्थानीय स्तर पर यह आरोप भी लगाए जा रहे हैं कि शुक्लागंज क्षेत्र में बिकने वाले मीट की कुछ आपूर्ति कानपुर के जाजमऊ और आसपास के क्षेत्रों से होती है। स्थानीय सूत्रों ने एक कथित सप्लाई नेटवर्क का जिक्र करते हुए दावा किया है कि गंगा किनारे के रास्तों तथा पुल के माध्यम से मीट की आपूर्ति उन्नाव क्षेत्र तक पहुंचाई जाती है।

हालांकि इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में नागरिकों का कहना है कि यदि सीमा पार से नियमविरुद्ध तरीके से मीट की आपूर्ति हो रही है तो खाद्य सुरक्षा विभाग, नगर पालिका और पुलिस को संयुक्त रूप से जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लानी चाहिए।

स्थानीय नागरिकों द्वारा शुक्लागंज क्षेत्र के कई मोहल्लों में मीट की दुकानों और खुले में बिक्री को लेकर शिकायतें किए जाने की बात कही गई है। इनमें पुराने कर्बला के आसपास, गोताखोर, मनोहर नगर, अहमद नगर, रहमत नगर और मदनी नगर सहित कुछ अन्य स्थान भी बताए जा रहे हैं।

गोताखोर क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के आगे की गली, हुसैन नगर मजार के आसपास, कर्बला सभासद आवास के निकट तथा नूरानी मस्जिद के आसपास भी दुकानों को लेकर शिकायतें सामने आने की बात कही गई है।

कुछ शिकायतों में दुकानों के संचालकों के नाम भी बताए गए हैं, लेकिन इनके संबंध में लाइसेंस की स्थिति अथवा किसी नियम के उल्लंघन की पुष्टि संबंधित विभाग की जांच के बाद ही मानी जा सकती है।

स्थानीय लोगों की सबसे बड़ी शिकायत खुले में मांस की बिक्री को लेकर है। उनका कहना है कि कई जगहों पर मांस को खुले में टांगकर बिक्री की जाती है, जिससे आसपास गंदगी, दुर्गंध और अस्वच्छता की स्थिति बनती है।

नागरिकों के मुताबिक भीड़भाड़ वाले इलाकों, धार्मिक स्थलों और आवासीय बस्तियों के आसपास ऐसी दुकानों के संचालन से राहगीरों को भी परेशानी होती है। उनका कहना है कि खाद्य पदार्थ होने के कारण मीट की बिक्री में स्वच्छता, तापमान नियंत्रण, सुरक्षित भंडारण और साफ-सफाई जैसे मानकों की नियमित जांच जरूरी है।

नागरिकों का कहना है कि मीट की दुकानों में खाद्य सुरक्षा से जुड़े निर्धारित मानकों का पालन होना चाहिए। इसमें स्वच्छ वातावरण, मांस के सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था, उचित जल निकासी, साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा विभाग से आवश्यक लाइसेंस जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ दुकानों पर इन व्यवस्थाओं की अनदेखी की जा रही है। यदि ऐसा है तो संबंधित विभाग को मौके पर निरीक्षण कर दस्तावेजों और व्यवस्थाओं की जांच करनी चाहिए।

मीट की दुकानों की बढ़ती संख्या और बिना लाइसेंस कारोबार की शिकायतों ने नगर पालिका तथा खाद्य सुरक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि किसी दुकान के पास आवश्यक अनुमति या लाइसेंस नहीं है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

साथ ही वैध रूप से कारोबार करने वाले दुकानदारों और अवैध रूप से संचालित दुकानों के बीच अंतर स्पष्ट करने के लिए प्रशासन को सार्वजनिक स्तर पर सत्यापन अभियान चलाने की मांग की जा रही है।

नागरिकों ने डीएम से जांच अभियान की मांग की

क्षेत्रीय नागरिकों ने जिलाधिकारी उन्नाव और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग से गंगाघाट नगर क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चलाने की मांग की है। नागरिकों की मांग है कि प्रत्येक मीट दुकान के लाइसेंस, नगर पालिका की अनुमति, स्वच्छता व्यवस्था और खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच की जाए।

इसके साथ ही कानपुर सीमा से आने वाली कथित मीट सप्लाई की भी जांच कराने की मांग की गई है। नागरिकों का कहना है कि जांच के बाद यदि किसी दुकान या सप्लाई नेटवर्क में नियमों का उल्लंघन मिलता है तो संबंधित कानूनों के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए।

जांच के बाद ही साफ होगी वास्तविक तस्वीर

फिलहाल गंगाघाट क्षेत्र में मीट की दुकानों के लाइसेंस, संख्या और कथित सप्लाई नेटवर्क को लेकर लगाए जा रहे आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में पूरे मामले में खाद्य सुरक्षा विभाग, नगर पालिका और पुलिस प्रशासन की संयुक्त जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कितनी दुकानें वैध लाइसेंस के साथ संचालित हो रही हैं और कितनी दुकानों में नियमों का उल्लंघन पाया जाता है।

पिकअप डाला व ऑटो में जोरदार भिंडत एक की मौत पांच घायल

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे की सर्विस लेन पर बुधवार देर रात बरादेव गाँव के अंडर पास के निकट सवारी लेकर लखनऊ जा रहा ऑटो रिक्शा में सामने से आ रहा पिकअप डाला से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे ऑटो खंती में जा पलटा। हादसे में ऑटो रिक्शा पर सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस से सभी घायलों को स्थानीय सीएचसी पहुंचाया।जहां डॉक्टरों ने एक बृद्ध को मृत घोषित कर दिया। जब कि अन्य पांच घायलों का सीएचसी में इलाज चल रहा हैं। पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। औरास थाना क्षेत्र के शीशी गांव निवासी वकील पुत्र शकील अपने परिवार के नन्हक्के 65वर्ष पुत्र चंदू, शाहीन 30वर्ष पत्नी वकील, रुकसार22वर्ष पुत्री शकील, अहमद 7वर्ष पुत्र वकील व नफीस का दो माह बच्चा बुधवार रात लगभग 10बजे एक ऑटो रिक्शा पर सवार लखनऊ की रिश्तेदारी में एक मिट्टी हो गई थी।उसके अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे।ऑटो वकील चला रहा था।ऑटो रिक्शा थाना क्षेत्र के बरादेव गांव के अंडर पास के निकट पहुंचा ही था। कि सामने से आ रहा पिकअप डाला ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे ऑटो नीचे खंती में जा गिरा। हादसे में ऑटो रिक्शा पर सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस ने सभी घायलों को सीएचसी औरास पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने नन्हक्के को मृत घोषित कर दिया।अन्य घायलों का सीएचसी में इलाज चल रहा हैं।सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

सम्पादकीय

अर्थव्यवस्था पर दबाव डालेगा कच्चे तेल का बढ़ता मूल्य

मध्य-पूर्व में बढ़े तनाव के बीच कच्चे तेल का 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचना भारत के लिए किसी मामूली आर्थिक खबर की तरह नहीं देखा जा सकता। भारत की अर्थव्यवस्था भले ही आज पहले के मुकाबले अधिक मजबूत और सक्षम हो, लेकिन उसकी ऊर्जा जरूरतों की एक बड़ी निर्भरता अब भी आयातित तेल पर है। इसलिए दुनिया के किसी हिस्से में युद्ध या तनाव बढ़ता है और कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर के पार जाती है तो उसकी तपिश भारत के बाजार से लेकर आम आदमी की रसोई तक महसूस की जा सकती है। दिलचस्प यह है कि महंगे तेल की यह चुनौती ऐसे समय आई है जब भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी मजबूती का शानदार प्रदर्शन किया है। अप्रैल से जून की तिमाही में भारत की जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। यह आंकड़ा बताता है कि घरेलू मांग, विनिर्माण और सेवाओं के दम पर भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी तेज गति से आगे बढ़ रही है। कच्चे तेल की कीमत बढ़ने का सबसे पहला और सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। पेट्रोल और डीजल केवल कार और मोटरसाइकिल चलाने के लिए जरूरी नहीं हैं। देश में माल ढुलाई से लेकर कृषि, निर्माण और उद्योग तक का बड़ा हिस्सा पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भर है। महंगाई का सबसे ज्यादा दबाव उस मध्यवर्ग पर पड़ता है जिसके पास इससे बचने के सीमित रास्ते हैं। दूसरी बड़ी चिंता रुपये पर दबाव है। भारत कच्चे तेल के लिए डॉलर में भुगतान करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होने का अर्थ है कि समान मात्रा में तेल खरीदने के लिए भारत को अधिक डॉलर खर्च करने होंगे। इससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपये पर दबाव आ सकता है। रुपया कमजोर हुआ तो तेल के साथ-साथ कई दूसरे आयात भी महंगे हो सकते हैं। इसका असर उद्योगों की लागत और अंततः उपभोक्ता कीमतों पर दिखाई देगा। तीसरा असर देश के चालू खाते और व्यापार घाटे पर पड़ सकता है। महंगे तेल का मतलब बड़ा आयात बिल है। भारत को जितना ज्यादा पैसा तेल के आयात पर खर्च करना पड़ेगा, उतना ही दबाव उसके बाहरी क्षेत्र पर बढ़ेगा। हालांकि भारत का मजबूत सेवा निर्यात और विदेशी मुद्रा भंडार इस झटके को सहने की क्षमता देते हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि महंगे तेल का कोई असर नहीं होगा। सरकार के सामने सबसे कठिन सवाल घरेलू ईंधन कीमतों को लेकर होगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होने के बावजूद यदि पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखा जाता है तो तेल विपणन कंपनियों पर दबाव बढ़ेगा। यदि कीमतें बढ़ाई जाती हैं तो आम उपभोक्ता पर बोझ बढ़ेगा। सरकार को इन दोनों के बीच ऐसा संतुलन बनाना होगा जिससे न तो कंपनियों की वित्तीय स्थिति बिगड़े और न ही महंगाई को अनावश्यक ईंधन मिले। दुनिया में जब भी भू-राजनीतिक तनाव बढ़ेगा, तेल की कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था की परीक्षा लेंगी। इसका स्थायी समाधान केवल कीमतों को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि आयातित तेल पर निर्भरता घटाना है। ऊर्जा के स्रोत जितने विविध होंगे, भारतीय अर्थव्यवस्था उतनी ही सुरक्षित होगी। फिलहाल तस्वीर के दोनों पहलू सामने हैं। एक तरफ 7.8 प्रतिशत की तेज आर्थिक वृद्धि भारत की मजबूती की कहानी कह रही है, दूसरी तरफ 100 डॉलर का कच्चा तेल दुनिया की अस्थिरता की याद दिला रहा है। चुनौती यह है कि तेल की आग विकास की रफ्तार तक न पहुंचे। भारत ने आर्थिक मजबूती हासिल करने में लंबा सफर तय किया है। अब परीक्षा इस बात की है कि वह वैश्विक ऊर्जा झटकों से अपनी इस रफ्तार को कितनी कुशलता से बचा पाता है।

मेजबानी

डॉ. मोनिका शर्मा

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का बढ़ता महत्व

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आज दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में गिना जाता है। महिलाओं के पेशेवर क्रिकेट खेलने को पुरुषों के समान ही महत्व मिलने लगा है। अब न केवल मैदान में बल्ला घुमाती बेटियों के प्रति लोगों की सोच बदली है, बल्कि महिलाओं का खेल देखने में भी रुचि बढ़ी है। ऐसे में भारत को पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी मिलना क्रिकेट के खेल में महिलाओं के बढ़ते दखल और महिला क्रिकेट के बढ़ते महत्व से जुड़ा सुखद समाचार है। पहली बार होने जा रहे महिला चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट का आयोजन 14 से 28 फरवरी तक होगा। गौरतलब है कि आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी-2027 से पहले महिला आईसीसी के महिला क्रिकेट से जुड़े दो ही आयोजन होते रहे हैं। ऐसे में वनडे विश्व कप और टी20 विश्व कप के साथ अब महिला चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना, महिला क्रिकेट से ही नहीं खेल-जगत से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कदम भी है। दरअसल, कुछ साल पहले बीसीसीआई से अनुबंधित महिला क्रिकेट खिलाड़ियों को पुरुषों के बराबर मैच फीस मिलने के निर्णय के बाद से इस मोर्चे पर बड़ा बदलाव देखा गया। साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा वर्ल्ड कप में पुरुषों और महिलाओं को समान पुरस्कार राशि दिए जाने का निर्णय भी अहम भी रहा। असल में पुरुष क्रिकेट भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में दशकों से एक लोकप्रिय खेल बना हुआ है। पुरुषों के मुकाबले इस खेल में महिलाओं की भागीदारी की ओर ध्यान जरा कम रहा है। गौरतलब है कि दुनिया का पहला महिला क्रिकेट विश्व कप 1973 में इंग्लैंड में आयोजित किया गया था। वहीं पुरुषों के पहले क्रिकेट विश्व कप का आयोजन 1975 में हुआ। महिला क्रिकेट विश्व कप का आयोजन दो वर्ष पहले होने एक बावजूद इस खेल में पुरुषों के मुक़ाबले कम ही चर्चा मिली। लोगों का रुझान भी बहुत धीमी गति से बढ़ा। आगे चलकर इंटरनेशनल महिला क्रिकेट परिषद का विलय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद में हुआ। इससे महिला क्रिकेट को पुरुषों के समान संसाधन, मीडिया कवरेज और वैश्विक मंच मिलना शुरू हुआ। भारत में 2006 में भारतीय महिला क्रिकेट संघ का विलय भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड में होने के बाद से महिला क्रिकेटरों को बेहतर सुविधाएं और अच्छे अनुबंध मिलने शुरू हुए। उस समय यह अनुमान लगाना भी मुश्किल था कि बीसीसीआई के भावी निर्णय और महिला खिलाड़ियों की लगन इस खेल को इतनी ऊंचाई पर ले जाएंगे। हालिया वर्षों में शुरू हुए टी20 और आईपीएल आयोजनों के बाद से महिला क्रिकेट खिलाड़ियों की बहुत प्रभावी पहचान बन गई है। कुछ समय पहले आई आईसीसी की महिला वनडे रैंकिंग के अनुसार स्मृति मंधाना दुनिया की नंबर-1 बल्लेबाज हैं। इन दिनों दुबई में चल रहे महिला एशिया कप-2026 में भी हमारी टीम शानदार प्रदर्शन कर रही है। ध्यातव्य है कि भारत में 2017 में आईसीसी महिला विश्व कप के फाइनल में भारतीय टीम के पहुंचने के बाद से ही महिला क्रिकेट को गंभीरता से लिया जाने लगा। अपने बेहतरीन प्रदर्शन को कायम रखते हुए हमारी महिला टीम 2020 में टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भी पहुंची थी। साथ ही 2022 में बर्मिंघम में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भी टीम ने रजत पदक हासिल किया था। आईसीसी महिला एक दिवसीय विश्व कप-2025 का खिताब भी हमारी महिला क्रिकेट टीम ने जीता था। इतना ही नहीं, अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप में भी भारतीय टीम ने भी वैश्विक स्तर पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। आईपीएल के साथ ही महिला क्रिकेटर अपने खेल का दमखम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मैदानों पर जमकर दिखा रही हैं। ऐसी उपलब्धियों के चलते ही कभी पुरुषों का खेल माने जाने वाले क्रिकेट में अब महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन की खूब चर्चा होने लगी है। देखने में भी आ रहा है कि अब भारत में अधिक संख्या में महिलाएं क्रिकेट खेल रही हैं। घर-परिवार में भी बेटियों के इस खेल से जुड़ने के मोर्चे पर सहजता आई है। हर पहलू पर हो रहे सकारात्मक बदलाव का ही परिणाम है कि दर्शक भी बड़े पैमाने पर महिला मुकाबलों में रुचि लेने लगे हैं।

मानवता व विरोध का वैचारिक ईकोसिस्टम

मुद्दा

प्रणय कुमार

> पश्चिमी समाजों में वाम-उदारवादी विचारधारा और कट्टरपंथी-जिहादी राजनीति के बीच बढ़ता वैचारिक सामंजस्य स्वतंत्रता, बहुलता, धर्मनिरपेक्षता और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे मूल्यों की व्याख्या को भी प्रभावित करता दिखाई दे रहा है। जिस अमेरिका ने दशकों तक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को अपने लोकतंत्र की आत्मा और असहमति के अधिकार को अपनी सभ्यतागत पहचान बताने का दंभयुक्त दावा किया, उसी अमेरिका में अब किसी विचार, संगठन अथवा व्यक्ति की स्वीकार्यता कई बार इस बात से तय होती दिखाई देती है कि वह उसके प्रचलित वैचारिक आख्यान के अनुकूल है या उसके प्रतिकूल। न्यूयॉर्क में आयोजित 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' इसी बदलते विमर्श का उल्लेखनीय उदाहरण है।

मानवाधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और परमाणु अप्रसार जैसे मुद्दों पर पश्चिमी जगत लंबे समय से स्वयं को वैश्विक नैतिकता का पहरेदार बताता आया है। जब इन्हीं आदर्शों को वास्तविक आचरण की कसौटी पर परखा जाता है, तो कथित नैतिक श्रेष्ठता के पीछे छिपे उसके दोहरे मापदंड बार-बार उजागर होते हैं। विडंबना यह है कि यह विरोधाभास अब केवल उसकी विदेश नीति अथवा वैश्विक राजनीति तक सीमित नहीं रहा। पश्चिमी समाजों में वाम-उदारवादी विचारधारा और कट्टरपंथी-जिहादी राजनीति के बीच बढ़ता वैचारिक सामंजस्य स्वतंत्रता, बहुलता, धर्मनिरपेक्षता और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे मूल्यों की व्याख्या को भी प्रभावित करता दिखाई दे रहा है। जिस अमेरिका ने दशकों तक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को अपने लोकतंत्र की आत्मा और असहमति के अधिकार को अपनी सभ्यतागत पहचान बताने का दंभयुक्त दावा किया, उसी अमेरिका में अब किसी विचार, संगठन अथवा व्यक्ति की स्वीकार्यता कई बार इस बात से तय होती दिखाई देती है कि वह उसके प्रचलित वैचारिक आख्यान के अनुकूल है या उसके प्रतिकूल। न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में पिछले दिनों आयोजित 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' इसी बदलते विमर्श का उल्लेखनीय उदाहरण है।

विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक समुदायों के बीच संवाद, सह-अस्तित्व और सार्वभौमिक एकता का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का संबोधन हुआ। आयोजन 'अमेरिकन हिंदूज़ फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग' द्वारा किया गया था और इसे विभिन्न हिंदू-अमेरिकी संगठनों का समर्थन प्राप्त था। अमेरिका के लगभग 39 राज्यों, 853 शहरों तथा 31 देशों से आए लगभग 6,000 प्रतिनिधियों और 250 से अधिक हिंदू-अमेरिकी संगठनों की सहभागिता ने इसकी व्यापकता को रेखांकित किया। इसके बावजूद न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कार्यक्रम के प्रति सार्वजनिक असहमति जताई और 61 संगठनों ने कार्यक्रम रद्द करने की मांग की। कार्यक्रम अंततः संपन्न हुआ और अपने घोषित उद्देश्य में पूर्णतया सफल रहा, लेकिन इससे एक मूलभूत लोकतांत्रिक प्रश्न उठा, क्या किसी वक्ता को सुने बिना ही उसके विचारों और संगठन को 'बहिष्कारी' अथवा अस्वीकार्य घोषित कर देना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बहुलतावाद की उस उदार परंपरा के अनुरूप है, जिन्हें पश्चिम लंबे समय से वैश्विक मानक के रूप में प्रस्तुत व प्रचारित करता रहा है? विरोध की इस श्रृंखला में 'हिंदूज़ फॉर ह्यूमन राइट्स' (एचएफएचआर) भी प्रमुख रूप से सक्रिय था। घोर आश्चर्य है कि जिस संगठन के नाम के साथ 'हिंदूज' जुड़ा है, वह भारत, हिंदुत्व और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े मुद्दों पर आलोचनात्मक अभियानों का संचालन करता रहा है। इस संगठन के वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार इसके सलाहकार सदस्यों में तीस्ता सीतलवाड़, फादर आनंद मैथ्यू, सैयदा हमीद, स्वरा भास्कर, अपूर्वानंद, हर्ष मंदर आदि के नाम सम्मिलित हैं। इससे सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि संघ-प्रमुख मोहन भागवत के कार्यक्रम के विरुद्ध वह क्यों खड़ी थीं?

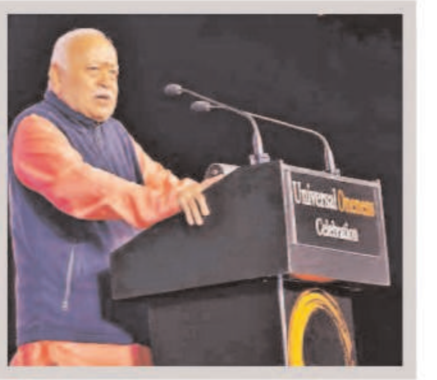

विरोध करने वाले 61 संगठनों की सूची में 'इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल' (आईएएमसी), 'जस्टिस फॉर ऑल', 'इंटरफेथ सेंटर ऑफ न्यूयॉर्क' सहित अनेक धार्मिक, नागरिक अधिकार और एक्टिविस्ट संगठन दिखाई देते हैं। आईएएमसी और इसके प्रमुख मुहम्मद जवाद भारत में हिंदुत्व, संघ और मोदी सरकार से जुड़े मुद्दों पर लंबे समय से विरोधी अभियान चलाते रहे हैं। गाजा और इजरायल के प्रश्न पर भी उनका रुख अत्यंत मुखर रहा है। 'जस्टिस फॉर ऑल' के अध्यक्ष अब्दुल मलिक मुजाहिद लंबे समय से अमेरिकी मुस्लिम एक्टिविज्म और अंतर्धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। इसी संदर्भ में न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी की भूमिका भी प्रश्नों के घेरे में आती है। वे भारत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा इजरायल से जुड़े प्रश्नों पर भी मुखर राजनीतिक रुख अपनाते रहे हैं।

इसलिए यह पूछना असंगत नहीं होगा कि उनकी निष्ठा लोकतांत्रिक परंपराओं व मान्यताओं में है या मजहबी रिवाजों, तक़रीरों व यकीनों में? विरोध के इसी क्रम में 26 अगस्त को अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) के अध्यक्ष आसिफ महमूद द्वारा डॉ. मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा के संदर्भ में भारत और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर लगाए गए गंभीर आरोप तथा संघ से जुड़े लोगों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के समर्थन ने इस विमर्श के पीछे सक्रिय टूलकिट की सच्चाई सामने रखी। भारत पर आयोग के पूर्ववर्ती वक्तव्यों और सुनवाइयों में सीएए, एनआरसी, जम्मू-कश्मीर, उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे विषयों को धार्मिक स्वतंत्रता के विमर्श से जोड़ा जाता रहा है। इस पूरी श्रृंखला को केवल अलग-अलग संगठनों की स्वतंत्र प्रतिक्रियाओं के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। न्यूयॉर्क की स्थानीय राजनीति, एक्टिविस्ट संगठनों, भारत-केंद्रित मुस्लिम एवं मानवाधिकार समूहों और धार्मिक-स्वतंत्रता संस्थाओं की भूमिकाओं को एक साथ रखने पर एक ऐसा वैचारिक ईकोसिस्टम दिखाई देता है, जिसमें अलग-अलग मंचों से उठने वाले आरोप और नैरेटिव कई बार एक-दूसरे को पुष्ट करते हैं। एक मंच पर लगाया गया आरोप दूसरे मंच पर संदर्भ बनता है, दूसरा मंच उसे वैधता देता है और अंततः वही आरोप सार्वजनिक विमर्श में स्थापित तथ्य की तरह प्रस्तुत होने लगता है। इन समस्त विरोधों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि स्वयं डॉ. मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में क्या कहा? उन्होंने 'अस्तित्व की एकता' को अपनी विश्व-दृष्टि का आधार बताया और स्पष्ट किया कि एकता के लिए एकरूपता आवश्यक नहीं है। उनके अनुसार मनुष्य की श्रेष्ठता दूसरों पर प्रभुत्व में नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व के प्रति अपने दायित्व को समझने में है। न्यूयॉर्क से उनका यह संदेश भारत की उस दीर्घ सभ्यतागत दृष्टि का वैश्विक प्रतिपादन था, जिसमें 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना निहित है।

विडंबना यह है कि जिस मंच से एकता, संवाद, सह-अस्तित्व और मानवता का संदेश दिया जाना था, उसी मंच के वक्ता के विचार सुने बिना उसके विरोध में अभियान चलाया गया। किसी व्यक्ति के विचारों से असहमति लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उसे सुने बिना ही अस्वीकार्य घोषित कर देना बहुलतावाद की मूल भावना पर प्रश्नचिह्न लगाता है। लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा सहमति में नहीं, असहमति को सहने की क्षमता में होती है। पश्चिमी लोकतंत्रों की परिपक्वता की एक कसौटी यह भी होनी चाहिए कि वे अपने समाजों में उभरते वामी-जिहादी गठजोड़ को पहचानें और उसकी विभाजनकारी एवं कट्टरपंथी प्रवृत्तियों पर प्रभावी अंकुश लगाएं, ताकि कलह, वैमनस्य और संघर्ष से पीड़ित विश्व को वास्तविक शांति और सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग मिल सके।

हृदय का करें अनुसरण

संकलित

दर्शन

कोई भी धर्मग्रंथ हमें धार्मिक नहीं बना सकता। चाहे हम दुनिया के सारे धर्मग्रंथ पढ़ डालें, परंतु फिर भी ईश्वर या धर्म का हमें तनिक भी ज्ञान नहीं होता। हम सारी उम्र धर्म या ईश्वर संबंधी बातें करते रहें, पर हमारी आध्यात्मिक उन्नति नहीं होती। दुनिया के विद्वानों ने भले ही हमारी बुद्धि प्रखर कर दी हो, पर हम ईश्वर तक नहीं पहुंच सके। पाश्चात्य संस्कृति का दोष यह है कि हम बुद्धि का संस्कार करते समय हृदय के संस्कार की ओर ध्यान ही नहीं देते। इसका परिणाम यह होता है कि मनुष्य दस गुना स्वार्थी हो जाता है। यदि हृदय और बुद्धि में विरोध उत्पन्न हो, तो तुम हृदय का अनुसरण करो, क्योंकि बुद्धि केवल एक तर्क के क्षेत्र में ही काम कर सकती है, वह उसके परे जा ही नहीं सकती, पर वह केवल हृदय ही है, जो हमें उच्चतम भूमिका पर आरूढ़ करता है। वहां तक बुद्धि कभी नहीं पहुंच सकती। हृदय, बुद्धि का अतिक्रमण कर अंतःस्फूर्ति को पा लेती है। बुद्धि से कभी अंतःस्फूर्ति प्राप्त नहीं हो सकती। अंतःस्फूर्ति का कारण केवल ज्ञानोदय बासित हृदय ही है। बुद्धिप्रधान, किंतु हृदय शून्य मनुष्य कभी स्फूर्तिमान नहीं बन सकता। प्रेममय पुरुष की समस्त क्रियाएं उसके हृदय से अनुप्राणित होती हैं। एक ऐसा उच्चतर साधन, जिसे बुद्धि कभी नहीं दे सकती, अगर किसी ने पाया है तो हृदय ने ही, और वह साधन है अंतःस्फूर्ति। जिस तरह बुद्धि ज्ञान का साधन है, उसी तरह हृदय अंतःस्फूर्ति का। शुरुआत में हृदय इतना शक्तिशाली नहीं होता, जितनी कि बुद्धि। एक अनपढ़ मनुष्य को कोई ज्ञान नहीं होता, पर वह थोड़ा बहुत भावना प्रधान होता है।

अपनी गठरी टटोलें

संकलित

प्रेरणा

दो आदमी यात्रा पर निकले! दोनों की मुलाकात हुई, दोनों का गंतव्य एक था तो दोनों यात्रा में साथ हो चले। सात दिन बाद दोनों के अलग होने का समय आया तो एक ने कहा- भाई साहब! एक सप्ताह तक हम दोनों साथ रहे क्या आपने मुझे पहचाना? दूसरे ने कहा- नहीं, मैंने तो नहीं पहचाना। पहला यात्री बोला- महोदय मैं एक नामी ठग हूँ परन्तु आप तो महाठग हैं। आप मेरे भी गुरू निकले। दूसरा यात्री बोला- कैसे? पहला यात्री- कुछ पाने की आशा में मैंने निरंतर सात दिन तक आपकी तलाशी ली, मुझे कुछ भी नहीं मिला। इतने दिन साथ रहने के बाद मुझे यह पता है आप बहुत धनी व्यक्ति हैं और इतनी बड़ी यात्रा पर निकले हैं तो ऐसा कैसे हो सकता है कि आपके पास कुछ भी नहीं है? बिल्कुल खाली हाथ हैं! दूसरा यात्री- मेरे पास एक बहुमूल्य हीरा है और थोड़ी-सी रजत मुद्राएं भी है। पहला यात्री बोला- तो फिर इतने प्रयत्न के बावजूद वह मुझे मिले क्यों नहीं? दूसरा यात्री- मैं जब भी बाहर जाता, वह हीरा और मुद्राएं तुम्हारी पोटली में रख देता था और तुम सात दिन तक मेरी झोली टटोलते रहे। अपनी पोटली संभालने की जरूरत ही नहीं समझी। तो फिर तुम्हें कुछ मिलता कहां से! ईश्वर नित नई खुशियां हमारी झोली में डालते हैं परन्तु हमें अपनी गठरी पर निगाह डालने की फुर्सत ही नहीं है, यही सबकी मूलभूत समस्या है। जिस दिन से इंसान दूसरे की ताकझाख बंद कर देगा उस क्षण सारी समस्या का समाधान हो जाएगा। अपनी गठरी टटोलें! जीवन में सबसे बड़ा गूढ मंत्र है स्वयं को टटोले और जीवन-पथ पर आगे बढ़े सफलताएं आप की प्रतीक्षा में है।

अंतर्मन

आज की पाती

जहरीली शराब से मौतें, जिम्मेदार कौन?

बहुत ही निंदनीय है कि मध्य प्रदेश में लापरवाही कुछ लोगों की जान पर भारी पड़ गई। यह लापरवाही सरकार, प्रशासन और खुद नशा करने वाले लोगों की मानी जा सकती है। यहां जहरीली शराब बहुत से लोगों की जान की दुश्मन बन गई। हमारे देश में नशा बहुत से लोगों की जान पर भारी पड़ता आ रहा है, लेकिन सरकारें और प्रशासन इस पर कोई खास गंभीर नहीं दिखते तभी तो देश में जहरीली शराब पीने से होने वाली मौतों का आंकड़ा भी चिंताजनक स्थिति में है। एक तरफ सरकारें नशे पर नकेल कसने के दावे करती हैं, लेकिन वहीं दूसरी तरफ जहरीली शराब का दानव समय-समय पर सिर उठाकर सैकड़ों लोगों को मौत की नींद जब सुलाता है तो इन सभी खोखले दावों की हकीकत को बयां कर देता है। - *राजेश वर्मा, कांकेर*

करंट अफेयर

ब्रिटेन ने साइबर हमले की आशंका से किया इनकार

ब्रिटेन की राष्ट्रीय हवाई यातायात सेवा (एनएटीएस) ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि देश के हवाईअड्डों पर बड़े पैमाने पर हुए व्यवधान का कारण साइबर हमला था। इस व्यवधान से भारत आने-जाने वाली कई उड़ानें भी प्रभावित हुईं। मंगलवार को हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में आई तकनीकी समस्या के कारण हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ और करीब 2,000 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। इसके दुष्प्रभाव दूसरे दिन भी जारी रहे। इस व्यवधान के कारण हजारों यात्रियों को दिक्कत हुई। ब्रिटेन के सबसे व्यस्त हीथ्रो हवाई अड्डे के अलावा गैटविक, स्टैनस्टेड, ल्यूटन और मैनचेस्टर हवाई अड्डों पर भी बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द हुईं और देरी हुई।

ऑफ बीट

स्वीडन में पूंजीपतियों को लेकर नजरिया बदल रहा

फर्नीचर कंपनी आईकिया के संस्थापक इंग्वार कम्पराड के मामले में स्वीडन के लोगों को यह बात खास तौर पर पसंद थी कि वह पुरानी कार चलाते थे (स्वाभाविक रूप से वोल्वो)। वह अपने स्टोर में काम करने वाले कर्मचारियों के बीच जाकर उनसे बातचीत करते थे और हर साल खुद उन्हें क्रिसमस के तोहफे देते थे। उनका यह साधारण दिखने का अंदाज (जिसे कुछ लोग सोची-समझी रणनीति भी कह सकते हैं) लोगों का ध्यान इस बात से हटा देता था कि कम्पराड दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक थे और स्वीडन के ऊंचे करों से बचने के लिए स्विट्जरलैंड चले गए थे। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है।

ट्रेंड

मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 3 मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इन प्रोजेक्ट्स से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 656 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। इनकी अनुमानित लागत 10,783 करोड़ है।

- **नितिन गडकरी**, केंद्रीय राजमार्ग मंत्री

समान भागीदार

महिलाएं अब केवल शिक्षा और रोजगार के अवसरों तक ही सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि अपनी आबादी के अनुपात में हर क्षेत्र में समान भागीदार बनेंगी। इसके लिए डबल-इंजन सरकार अपने सभी कार्यक्रमों को लगातार आगे बढ़ा रही है।

- **योगी आदित्यनाथ**, सीएम, यूपी

कानून-व्यवस्था नहीं

मणिपुर के जाने-माने संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह जी की भीड़ द्वारा बेरहमी से की गई हत्या, बीजेपी के शासन में पूरी तरह से कानून-व्यवस्था के न होने की एक और डरावनी याद दिलाती है। छात्र सुरक्षित नहीं हैं। महिलाओं को हर दिन अत्याचार का सामना करना पड़ता है।

- **मल्लिकार्जुन खरगे**, अध्यक्ष, कांग्रेस

बाहर जाने की मनाही

जो लोग कहते हैं कि मैं भारत आने से इनकार करने वाला भगोड़ा हूँ, उन्हें बता दूँ कि मैं 1992 से यूनाइटेड किंगडम का स्थायी निवासी हूँ और अभी कानूनी तौर पर मुझे इस देश से बाहर जाने की मनाही है।

- **विजय माल्या**, पूर्व राज्यसभा सदस्य

संक्षेप

मटेरा के मोहम्मद रईस सिद्दीकी ने NEET-UG में पाई सफलता

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। ग्राम मटेरा, निवासी मोहम्मद रईस सिद्दीकी ने NEET-UG परीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। परीक्षा परिणाम में उन्हें UROP सीट आवंटित हुई है। उनका रैंक 17,736 रहा है।मोहम्मद रईस सिद्दीकी की प्रारंभिक शिक्षा मटेरा में ही हुई। उन्होंने कक्षा 1 से 8 तक की पढ़ाई मटेरा के मां गायत्री शिशु मंदिर से पूरी की। इसके बाद 10वीं और 12वीं की शिक्षा श्री शंकर इंटर कॉलेज, नानपारा, बहराइच से प्राप्त की। मेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने के लक्ष्य के साथ उन्होंने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी जारी रखी। NEET-UG की तैयारी उन्होंने लखनऊ से की। लगातार मेहनत और लगन के बाद उन्हें सफलता मिली।रईस सिद्दीकी की उपलब्धि की जानकारी मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर मेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने की उनकी सफलता को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया जा रहा है।

रुद्र नगर कॉलोनी में सड़क कीचड़ में बदली

डेढ़ सौ मीटर सड़क पर पैदल चलना दूभर, स्कूली बच्चे सबसे ज्यादा परेशान

अमेठी , धम्मौर बाईपास पर शगुन वर्कशॉप के पीछे रुद्र नगर कॉलोनी की करीब डेढ़ सौ मीटर सड़क लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। बारिश के बाद यह सड़क पूरी तरह कीचड़ में बदल गई है, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। सड़क की हालत इतनी खराब है कि दोपहिया वाहन तो दूर, पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। कीचड़ और जलभराव के कारण यहां हमेशा फिसलन बनी रहती है। । सड़क की इस बदहाल स्थिति का सबसे ज्यादा असर स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। कीचड़ भरी सड़क से होकर बच्चों को स्कूल आने-जाने में काफी दिक्कत होती है। कई बार बच्चे कीचड़ में गिरकर चोटिल भी हो जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के लिए कई बार जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई गई है।विधायक से लेकर सांसद, ब्लॉक प्रमुख और एमएलसी तक अपनी समस्या पहुंचाई गई, लेकिन अब तक सड़क निर्माण को लेकर कोई ठोस पहल नहीं हुई है। उन्हें कई बार आश्वासन मिले, लेकिन जमीन पर कोई काम नहीं हुआ। स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधियों और जिम्मेदार अधिकारियों से जल्द से जल्द सड़क निर्माण कराकर राहत दिलाने की मांग की है।

एक सप्ताह से अधिक समय से विद्युत आपूर्ति प्रभावित, त्योहार के बीच बढ़ी लोगों की मुश्किलें

अमन लेखनी समाचार / मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। रुपईडीहा नगर पंचायत क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से विद्युत आपूर्ति व्यवस्था बदहाल बनी हुई है। दिन में भी बिजली की आंख-मिचौली जारी है, जबकि रात होते ही लंबे समय तक आपूर्ति बाधित रहने से नागरिकों की परेशानियां बढ़ गई हैं। लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती को लेकर क्षेत्रवासियों में विद्युत विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र में रेल सेवा शुरू होने के बाद लोगों को बेहतर सुविधाओं की उम्मीद जगी थी, लेकिन दूसरी ओर नगर की विद्युत व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है। लोगों के अनुसार ट्रेन के उद्घाटन के दिन से ही बिजली आपूर्ति में परेशानी बनी हुई है और एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद स्थिति सामान्य नहीं हो सकी है।

रात में अंधेरे और उमस से परेशान लोग

रात के समय घंटों बिजली गुल रहने से लोगों को उमस और अंधेरे में रात गुजारनी पड़ रही है। गर्मी और उमस के कारण बच्चों, बुजुर्गों तथा बीमार लोगों को विशेष परेशानी हो रही है। वहीं बिजली पर निर्भर दुकानदारों का कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। त्योहारों के बीच लगातार विद्युत कटौती ने नागरिकों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

क्षेत्रवासियों के मुताबिक विद्युत विभाग के अधिकारियों से शिकायत करने पर अक्सर आगे से फॉल्ट होने की बात कहकर जल्द आपूर्ति बहाल करने का आश्वासन दिया जाता है। नागरिकों का सवाल है कि यदि तकनीकी खराबी के कारण बिजली आपूर्ति बाधित है तो उसका स्थायी समाधान अब तक क्यों नहीं किया गया। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि त्योहार के दौरान रात में लगातार बिजली कटौती से लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, इस आरोप की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

अधिकारियों को हटाने की भी उठी मांग

महेश सिंह, सभासद मनोज प्रजापति, शिवराज, रामनरेश, समाजसेवी रतन अग्रवाल सहित अन्य नागरिकों ने शासन और विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। क्षेत्रवासियों ने सहाबा पावर हाउस से जुड़े एसडीओ और जेई को हटाकर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में सुधार कराने की मांग भी उठाई है। नागरिकों का कहना है कि यदि जल्द ही बिजली आपूर्ति व्यवस्था पटरी पर नहीं आई तो क्षेत्रवासी आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। लोगों ने अधिकारियों से मांग की है कि तकनीकी खामियों को दूर कर नियमित और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला ने फंदे से झूलकर दिया जान

परिजनों में मचा कोहराम,वैवाही पुलिस ने पूर्ण की संवैधानिक कार्यवाही

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। घर में उस समय कोहराम मच गया जब परिजनों ने टीनशेड से बने घर के कमरे की बल्ली से दुपट्टे में सुशीला की झूलती हुई लाश देखा ! परिजनों के चीत्कार से ग्रामीणों की काफी भीड़ एकत्रित हो गई।

जनपद बहराइच के खैरीघाट थाना अंतर्गत चौकी वैवाही क्षेत्र के ग्राम पंचायत अरनवा के मजरा खालेपुरवा (भंडारीपुरवा) निवासी सोनेलाल गौतम पुत्र रमेश की पत्नी सुशीला उम्र करीब 22 वर्ष जिसकी शादी लगभग 3 वर्ष पूर्व हुई थी ने अपने ही दुपट्टे से बुधवार गुरुवार की रात में टीन शेड से बने घर में रखी बल्ली में लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। प्रातः परिजनों ने सुशीला को दुपट्टे से लटका देखा तो उनके होश उड़ गए, घर में चीत्कार व कोहराम मच गया जिससे आसपास के ग्रामीणों की काफी भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना खैरीघाट पुलिस को दी गई, जिस पर वैवाही पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए फॉरेंसिक टीम की मदद से आवश्यक साक्ष्यों का संकलन किया है।

पुलिस द्वारा पंचनामा की कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

प्रभारी निरीक्षक खैरीघाट प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि 22 वर्षीय महिला ने घर में दुपट्टे से झूल कर जीवन लीला समाप्त की है, आरोपों - प्रत्यारोपों के दौर में मृत्यु के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

नानपारा में संचालित अवैध सब्जी मंडी बंद, नए स्थल पर होगा कारोबार

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। नानपारा रोड पर अवैध रूप से संचालित हो रही सब्जी मंडी को प्रशासन ने बंद करा दिया है। नानपारा एसडीएम प्रकाश सिंह ने बताया कि 9 अगस्त को मंडी समिति नानपारा और पुलिस प्रशासन की कार्रवाई के बाद अवैध मंडी को बंद कराकर व्यापारियों को नवीन मंडी स्थल नानपारा में स्थानांतरित किया गया है। इससे नानपारा रोड पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। एसडीएम प्रकाश सिंह के अनुसार, अवैध स्थल पर दोबारा सब्जी का कारोबार करने वालों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही संबंधित लोगों से शमन शुल्क भी वसूला जाएगा। उन्होंने व्यापारियों से निर्धारित नवीन मंडी स्थल पर ही कारोबार करने की अपील की है।उन्होंने बताया कि नवीन मंडी स्थल पर व्यापारियों की सुविधाएं बढ़ाने के लिए 10 नई दुकानों और शुलभ शौचालय के निर्माण का प्रस्ताव मुख्यालय भेजा गया है। उपनिदेशक निर्माण, गोंडा द्वारा स्थल का निरीक्षण भी किया जा चुका है। जल्द निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। एसडीएम प्रकाश सिंह ने बताया कि नवीन मंडी स्थल पर बिजली, पानी और सुरक्षा की व्यवस्था उपलब्ध है। मंडी को व्यवस्थित रूप से संचालित किए जाने से जहां सड़क पर जाम की समस्या कम होगी, वहीं मंडी व्यवस्था से राजस्व में भी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

कैसरगंज पहुंचे खिदमत फाउंडेशन के चेयरमैन निसार अहमद, पत्रकारों व अतिथियों का हुआ सम्मान

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज स्थित नवीन गल्लामंडी के निकट शबनम हॉस्पिटल में बुधवार को हैदराबाद से खिदमत फाउंडेशन के चेयरमैन निसार अहमद साहब शिरकत करने पहुंचे। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. ऐजाज अली कादरी (BUMS) की ओर से किया गया। इस अवसर पर डॉ. ऐजाज अली कादरी ने कार्यक्रम में पहुंचे पत्रकारों एवं अतिथियों का शाल ओढ़ाकर स्वागत एवं सम्मान किया। वहीं खिदमत फाउंडेशन के चेयरमैन निसार अहमद ने भी पत्रकारों से आत्मीय मुलाकात करते हुए उनका अपने हाथों से स्वागत किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य लोगों के साथ पंडित बदलूराम मिश्रा, अशोक सिंह मास्टर साहब और बृजेश सिंह राठौर सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान सामाजिक सरोकारों, जनसेवा तथा समाज में पत्रकारिता की भूमिका को लेकर भी चर्चा हुई। पत्रकारों से बातचीत के दौरान निसार अहमद ने खिदमत फाउंडेशन के कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद करना है। संस्था की ओर से जरूरतमंदों के हॉस्पिटल संबंधी मामलों में सहायता, रोजगार उपलब्ध कराने तथा गरीब परिवारों की बेटियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं की शिक्षा में मदद के लिए फाउंडेशन द्वारा उनकी फीस भी वहन की जाती है। इसके अलावा जरूरतमंद गरीब परिवारों की बेटियों के लिए सामूहिक विवाह जैसे सामाजिक कार्य भी किए जाते हैं। निसार अहमद ने कहा कि फाउंडेशन किसी एक धर्म या जाति तक सीमित होकर काम नहीं करता, बल्कि हिंदू, मुस्लिम सहित सभी धर्मों, जातियों और समुदायों के जरूरतमंद लोगों की मदद करने का प्रयास करता है। उनका कहना था कि समाज के सक्षम लोगों को आगे आकर गरीब और जरूरतमंद लोगों की अधिक से अधिक मदद करनी चाहिए। कहा कि मानव सेवा और जरूरतमंदों का सहारा बनना ही समाज के प्रति सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में से एक है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने फाउंडेशन की सामाजिक गतिविधियों की सराहना की

नानपारा में संचालित अवैध सब्जी मंडी बंद, नए स्थल पर होगा कारोबार

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। नानपारा रोड पर अवैध रूप से संचालित हो रही सब्जी मंडी को प्रशासन ने बंद करा दिया है। नानपारा एसडीएम प्रकाश सिंह ने बताया कि 9 अगस्त को मंडी समिति नानपारा और पुलिस प्रशासन की कार्रवाई के बाद अवैध मंडी को बंद कराकर व्यापारियों को नवीन मंडी स्थल नानपारा में स्थानांतरित किया गया है।इससे नानपारा रोड पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। एसडीएम प्रकाश सिंह के अनुसार, अवैध स्थल पर दोबारा सब्जी का कारोबार करने वालों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही संबंधित लोगों से शमन शुल्क भी वसूला जाएगा। उन्होंने व्यापारियों से निर्धारित नवीन मंडी स्थल पर ही कारोबार करने की अपील की है।उन्होंने बताया कि नवीन मंडी स्थल पर व्यापारियों की सुविधाएं बढ़ाने के लिए 10 नई दुकानों और शुलभ शौचालय के निर्माण का प्रस्ताव मुख्यालय भेजा गया है। उपनिदेशक निर्माण, गोंडा द्वारा स्थल का निरीक्षण भी किया जा चुका है। जल्द निर्माण

कार्य शुरू होने की उम्मीद है। एसडीएम प्रकाश सिंह ने बताया कि नवीन मंडी स्थल पर बिजली, पानी और सुरक्षा की व्यवस्था उपलब्ध है। मंडी को व्यवस्थित रूप से संचालित किए जाने से जहां सड़क पर जाम की समस्या कम होगी, वहीं मंडी व्यवस्था से राजस्व में भी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

स्थाई यात्री प्रतीक्षालय के पीछे व पूरे चौराहे पर लगा एकमात्र इंडियामार्का हैंडपंप महीनों से पड़ा खराब

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। बहराइच के शिवपुर विकासखंड में रामपुर धोबिया चौराहे पर लगा एकमात्र हैंडपंप कई महीनों से खराब पड़ा है। इससे हजारों राहगीरों, स्कूली बच्चों और दुकानदारों को पीने के पानी की दिक्कत हो रही है।यह चौराहा रायगंज, नेवादा पूरे कस्वाती, पिपरिया और रामपुर धोबिया समेत लगभग एक दर्जन गांवों के लिए एक मुख्य केंद्र है। यहां से हर दिन हजारों बच्चे स्कूल जाते हैं और राहगीर नानपारा मुख्यालय व लखीमपुर हाईवे के लिए निकलते हैं।नानपारा विधायक रामनिवास वर्मा ने हाल ही में चौराहे पर एक यात्री प्रतीक्षालय बनवाया है। यह खराब हैंडपंप उसी प्रतीक्षालय के पीछे लगा है और पूरे चौराहे पर पानी का यह एकमात्र साधन है।शिवपुर ब्लॉक का यह इलाका सरयू और घाघरा नदी के दोआब में आता है, जो अक्सर बाढ़ से प्रभावित रहता है। ऐसे में पानी की समस्या और बढ़ जाती है। हैंडपंप महीनों से खराब होने के कारण लोग परेशान हैं।इस समस्या को लेकर शिवपुर के उप खंड विकास अधिकारी (ADO) से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका फोन नहीं उठा।

बच्चों की पिटाई के आरोप में घिरीं प्रधानाध्यापिका, एसडीएम कार्यालय पहुंचे अभिभावक

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के एक उच्च प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका पर छात्र-छात्राओं के साथ कथित तौर पर मारपीट करने और उन्हें परेशान करने के गंभीर आरोप लगे हैं। बच्चों के अभिभावकों का आरोप है कि विद्यालय में छोटी-छोटी बातों को लेकर बच्चों को डांटने के साथ उनकी पिटाई की जाती है। मामले से नाराज कई अभिभावक गुरुवार को बच्चों को साथ लेकर पुरवा तहसील स्थित उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और पूरे मामले की शिकायत की।अभिभावकों के साथ पहुंचे बच्चों ने भी अधिकारियों के सामने विद्यालय में कथित तौर पर उनके साथ किए जाने वाले व्यवहार की जानकारी दी। बच्चों ने आरोप लगाया कि मामूली बातों पर उन्हें डांट-फटकार और मारपीट का सामना करना पड़ता है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम दिग्विजय सिंह ने बच्चों और उनके अभिभावकों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली।

छोटी-छोटी बातों पर पिटाई का आरोप

ग्राम पंचायत मदारपुर के अभिभावक सुमन, जानकी, बबली, केकती और राजेंद्र समेत कई लोगों ने शिकायत पत्र देकर प्रधानाध्यापिका पर बच्चों को कथित रूप से बेवजह पीटने का आरोप लगाया है। अभिभावकों के मुताबिक बच्चों को गुड मॉर्निंग नहीं बोलने, स्कूल की गाड़ी की सफाई नहीं करने और टॉयलेट में पानी नहीं डालने जैसी बातों को लेकर भी कथित तौर पर डांटा और पीटा जाता है।अभिभावकों का कहना है कि बच्चों ने घर पहुंचकर जब इस तरह के व्यवहार की जानकारी दी तो उन्होंने विद्यालय में मामले को लेकर बात करने का प्रयास किया। आरोप है कि शिकायत करने पर अभिभावकों के साथ भी कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया गया।

बच्चों के साथ अभिभावक पहुंचे तहसील

गुरुवार को कई बच्चे अपने माता-पिता के साथ पुरवा तहसील पहुंचे। बच्चों ने प्रार्थना पत्र के माध्यम से विद्यालय में उनके साथ कथित तौर पर होने वाली मारपीट और डांट-फटकार की शिकायत की। अभिभावकों ने अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और बच्चों के साथ उचित व्यवहार सुनिश्चित कराने की मांग की।अभिभावकों ने यह भी आरोप लगाया कि विद्यालय के आसपास के कुछ लोगों की मदद से उन्हें कथित रूप से धमकाने का प्रयास किया गया। उनका कहना है कि स्कूल के बगल में आटा चक्की चलाने वाले व्यक्ति से मिलकर उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की गई। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

इसी बीच घटना से जुड़ा बताया जा रहा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक शिक्षिका बच्चों को डांटती हुई नजर आ रही हैं। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और यह स्पष्ट नहीं है कि वीडियो कब और कहां का है। ऐसे में वीडियो की सत्यता की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

एसडीएम ने बीईओ से मांगी जांच रिपोर्ट

मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम दिग्विजय सिंह ने बच्चों और उनके अभिभावकों से जानकारी लेने के बाद खंड शिक्षा अधिकारी को पूरे प्रकरण की जांच के निर्देश दिए। एसडीएम के अनुसार मामले में जांच रिपोर्ट मांगी गई है।

एसडीएम ने बताया कि प्रधानाध्यापिका अनामिका के निलंबन की रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी गई है। अब विभागीय जांच और उच्चाधिकारियों के स्तर से होने वाली कार्रवाई के बाद मामले की स्थिति और स्पष्ट होगी।

जांच के बाद सामने आएगी वास्तविकता

बच्चों के साथ कथित मारपीट के आरोपों ने विद्यालय की कार्यप्रणाली और बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल अभिभावकों की शिकायत, बच्चों के बयान और वायरल वीडियो से जुड़े दावों की जांच की जा रही है। अधिकारियों की जांच रिपोर्ट के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है और पूरे मामले में किस स्तर पर कार्रवाई की जानी है।

गंगाघाट रेलवे क्रासिंग पर आरओबी निर्माण की कवायद तेज

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट रेलवे क्रासिंग पर प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) को धरातल पर उतारने की कवायद अब तेज होती नजर आ रही है। गुरुवार को राज्य सेतु निगम और रेलवे के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने रेलवे क्रासिंग सहित आसपास के स्थानों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान प्रस्तावित आरओबी के पिलरों की स्थिति, ऊंचाई, रेलवे की ओएचई लाइन तथा भविष्य में रेलवे की ओर से किए जाने वाले कार्यों को लेकर अधिकारियों ने विस्तार से विचार-विमर्श किया। संयुक्त निरीक्षण के दौरान रेलवे और सेतु निगम के अधिकारियों ने मौके की भौगोलिक स्थिति का जायजा लिया। क्रासिंग के समीप स्थित मछली मंडी क्षेत्र को भी देखा गया, जहां आरओबी के पिलर प्रस्तावित हैं। सेतु निगम के अधिकारियों ने पिलरों की ऊंचाई और स्थान को लेकर रेलवे अधिकारियों के साथ तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की। इसके बाद टीम रेलवे क्रासिंग पर पहुंची और वहां मौजूद ओएचई लाइन तथा रेलवे की भविष्य की कार्ययोजनाओं के संबंध में जानकारी हासिल की। हालांकि निरीक्षण के दौरान आरओबी निर्माण से जुड़े सभी तकनीकी बिंदुओं पर दोनों विभागों के बीच अंतिम सहमति नहीं बन सकी। अधिकारियों के बीच कुछ मुद्दों पर अभी बातचीत जारी है। इन बिंदुओं पर सहमति बनने के बाद संयुक्त प्रस्ताव को अंतिम रूप देकर आगे की प्रक्रिया शुरू किए जाने की बात कही जा रही है।

आरओबी निर्माण की तैयारियों के तहत बीते जून माह में रेलवे क्रासिंग के ढाल के समीप मिट्टी के नमूने लिए गए थे। इन नमूनों को तकनीकी जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया था। अधिकारियों के अनुसार मिट्टी की जांच सफल रही है। जांच रिपोर्ट अनुकूल आने के बाद अब निर्माण से संबंधित अन्य औपचारिकताओं को आगे बढ़ाया जा रहा है।

सेतु निगम अधिकारियों के मुताबिक प्रस्तावित आरओबी को गंगा नदी पर प्रस्तावित नए पुल से जोड़ने की योजना है। यदि परियोजना निर्धारित योजना के अनुसार आगे बढ़ती है तो शुक्लागंज और आसपास के क्षेत्रों से आवागमन को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। रेलवे क्रासिंग पर ट्रेनों के आवागमन के दौरान लगने वाले जाम से भी लोगों को निजात मिल सकती

सेतु निगम के सहायक अभियंता अरविंद कुमार सागर के मुताबिक प्रस्तावित आरओबी रेलवे क्रासिंग के ऊपर लगभग 11 मीटर की ऊंचाई पर बनाया जाना प्रस्तावित है। आरओबी का दूसरा छोर गंगाघाट कोतवाली के आसपास उतारने की योजना है। इस व्यवस्था से क्रासिंग पर वाहनों की निर्भरता कम होगी और यातायात को वैकल्पिक एवं निर्बाध मार्ग मिल सकेगा।

गंगाघाट रेलवे क्रासिंग शुक्लागंज क्षेत्र के महत्वपूर्ण मार्गों में शामिल है। ट्रेनों के गुजरने के दौरान क्रासिंग बंद होने से दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। ऐसे में आरओबी को भविष्य के यातायात के लिहाज से महत्वपूर्ण परियोजना माना जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार आरओबी निर्माण को लेकर रेलवे और सेतु निगम के स्तर से संयुक्त प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इसमें रेलवे ट्रैक, ओएचई लाइन, पिलरों की स्थिति, ऊंचाई और रेलवे की प्रस्तावित भविष्य की योजनाओं जैसे तकनीकी पहलुओं को शामिल किया जा रहा है।

दोनों विभागों के बीच जिन बिंदुओं पर अभी सहमति नहीं बनी है, उन्हें बातचीत के जरिए सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी सहमति और आवश्यक स्वीकृतियां मिलने के बाद निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

अंग्रेजों के जमाने के पुराने पुल पर भी अटका मामला

आरओबी परियोजना के साथ ही अंग्रेजों के समय निर्मित पुराने पुल का मामला भी महत्वपूर्ण बना हुआ है। लंबे समय से क्षतिग्रस्त इस पुराने पुल को हटाने के लिए रेलवे की ओर से टेंडर जारी किया जा चुका है। सेतु निगम के अधिकारियों के मुताबिक नए पुल की प्रस्तावित निर्माण सीमा में पुराने पुल की कुछ कोठियां भी आ रही हैं।

इन कोठियों को लेकर रेलवे से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मांगी गई है, लेकिन अभी तक एनओसी प्राप्त नहीं हुई है। अधिकारियों के अनुसार यदि एनओसी मिलने में अधिक समय लगता है तो इसका असर नए पुल की निर्माण प्रक्रिया पर भी पड़ सकता है।

संयुक्त निरीक्षण के दौरान राज्य सेतु निगम के सहायक अभियंता अरविंद कुमार सागर, आईओडब्ल्यू रहमान गजल, पीडब्ल्यूआई महेश मीणा, जेई पीआरडी अंकित तिवारी और ऑपरेटिंग ट्रैफिक इंस्पेक्टर अनिलेश वर्मा मौजूद रहे। सेतु निगम के ठेकेदार सहित निर्माण से जुड़े कर्मचारी भी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे।अब निगाहें रेलवे और सेतु निगम के बीच तकनीकी सहमति, एनओसी तथा प्रस्ताव की स्वीकृति पर टिकी हैं।इन औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद ही आरओबी निर्माण की अगली तस्वीर साफ होगी।

क्षेत्र में शांति व्यवस्था के दृष्टिगत खैरीघाट पुलिस ने 16 लोगों को किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। पुलिस अधीक्षक बहराइच द्वारा शांति व्यवस्था को भंग करने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को सफल बनाने हेतु दिए गए दिशा निर्देशों के संबंध में एएसपी ग्रामीण व सीओ महसी के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक थाना खैरीघाट प्रदीप कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम में उप निरीक्षक मनोज कुमार यादव व रामप्रवेश यादव, हेड कां0 उपेंद्र यादव, मुन्नालाल चौधरी, कांस्टेबल सत्य प्रकाश यादव, नियाज अहमद द्वारा पारिवारिक विवाद के प्रकरण में शांति भंग की आशंका के दृष्टिगत 16 लोगों को अंतर्गत धारा 170/126/135 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेशों निदेशों का पालन करते हुए कंछेद पुत्र ढोढे, रिंकू पुत्र कंछेद, श्रवण पुत्र कंछेद, महेश पुत्र गोपीचंद, धर्मेंद्र पुत्र हरिश्चंद्र, ननकू पुत्र राधेश्याम, सरवन पुत्र रामफल, अजय पुत्र किशोरी प्रमोद पुत्र रामपाल, उमेश पुत्र हरिश्चंद्र, रामसागर पुत्र राम लखन गुड्डू पुत्र भरत लाल, अमरेश पुत्र कंछेद, किशोरी लाल पुत्र ढूंढे निवासी ग्राम दीवान मटेरा थाना खैरी घाट जनपद बहराइच व खुनमुन सिंह पुत्र मूलचंद, राजेश सिंह पुत्र पृथ्वीराज सिंह निवासी बरदाहा कला को गिरफ्तार कर गिरफ्तारी की सूचना उपरोक्त लोगों के परिजनों को जरिये उचित माध्यम देते हुए माननीय न्यायालय रवाना किया गया। थानाध्यक्ष खैरीघाट की कार्यवाही से आपसी विवादों में जहां कमी आएगी तो वहीं आरोपियों में कानून का डर भी व्याप्त होगा।

संक्षेप

एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर में हथौड़े कूचकर प्रेमी की हत्या

बागपत ,पति के साथ मिलकर महिला ने प्रेमी को हथौड़े से कूचकर मार डाला। आरोप है कि दोनों ने चाकू और हथौड़े से युवक पर 7 वार किए। हमले में उसकी छाती और गर्दन पर गंभीर चोटें आईं। कुछ ही देर में उसने मौके पर दम तोड़ दिया। घटना के बाद आसपास के इलाके में शोर मच गया। महिला का युवक से दो महीने से अफेयर चल रहा था। महिला ने युवक पर अश्लील वीडियो-फोटो से ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। भीड़ ने महिला और उसके पति को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस हमले में इस्तेमाल हथियारों और वारदात से जुड़े अन्य साक्ष्यों की भी जांच कर रही है। मृतक दीपेंद्र शिकोहपुर गांव तहसील बड़ौत का रहने वाला था। उसकी शादी 11 साल पहले रेखा से हुई थी। दोनों का एक छह साल का बच्चा है। पत्नी बच्चे के साथ गांव में रहती थी। दीपेंद्र राहुल और सोनिया की चाय के दुकान के सामने किराए का कमरा लेकर रहता था। उनकी शादी 2014 में हुई थी। दोनों के तीन बच्चे हैं। पुलिस के अनुसार, बुधवार तड़के महिला ने फोन करके दीपेंद्र को बुलाया। आरोप है कि जैसे ही दीपेंद्र मौके पर पहुंचा, महिला और उसके पति ने उस पर हमला कर दिया। दोनों ने चाकू और हथौड़े से दीपेंद्र पर कई वार किए। गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई ब्लैकमेल करने का आरोप्पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि दोनों के बीच शारीरिक संबंध थे। दीपेंद्र ने महिला के अश्लील फोटो और वीडियो बना लिए थे। आरोप है कि बाद में वह इन्हीं फोटो-वीडियो को लेकर महिला को ब्लैकमेल करने लगा। इसी बात को लेकर महिला और उसके पति के बीच भी विवाद होने की बात सामने आई है। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है भीड़ ने दोनों आरोपियों को पकड़कर पुलिस को सौंपाहत्या की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। भीड़ ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मौके से घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

भाजपा-नेता को धमकी देने वाले हिस्ट्रीशीटर का एनकाउंटर

बागपत , बड़ौत में भाजपा नेता और पूर्व नगरपालिका चेयरमैन अमित राणा को जान से मारने की धमकी देने वाले हिस्ट्रीशीटर रवि का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया। पुलिस की गोली रवि के पैर में लगी है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पर करीब 30 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस रात करीब 9 बजे चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बुलेट बाइक से आ रहे रवि को पुलिस टीम ने रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि रवि ने बाइक की रफ्तार बढ़ा दी और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।

2000 छात्र एक बार फिर सड़कों पर ,बोले- हम बेरोजगार ,हताश

60 हजार शिक्षक भर्ती की मांग कर रहे

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज ,खाली पड़े 60 हजार प्राइमरी टीचर के पदों पर भर्ती की मांग को लेकर 11 दिन से चल रहा छात्रों का आंदोलन गुरुवार को तेज हो गया। सुबह 8 बजे करीब एक हजार और छात्र-छात्राएं सिविल लाइंस में धरनास्थल के पास पहुंच गए। इस पर पुलिस ने धरनास्थल की ओर जाने वाले रास्ते पर बैरिकेडिंग कर उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद हजारों छात्र-छात्राएं हर्ष होटल के पास इकट्?ठे होकर प्रदर्शन करने लगे। मौके पर पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं ने कहा कि हमारा आंदोलन जारी रहेगा। सरकार की ओर से भर्ती को लेकर ठोस निर्णय होने तक वे धरनास्थल से नहीं हटेंगे। वहीं, छात्रों ने आरोप लगाया कि बुधवार रात पुलिस ने धरना दे रहे उनके कुछ साथियों को जबरन वहां से हटा दिया। प्रदर्शन के लिए लगाए गए टेंट और अन्य सामान को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। हम लोग शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे, इसके बावजूद पुलिस ने कार्रवाई की।

छात्राएं बोलीं- चाहे जितनी बार हटा लो, हम पीछे नहीं होंगे

गुरुवार को हर्ष होटल के पास जुटे प्रदर्शनकारियों में बड़ी संख्या में छात्राएं भी मौजूद रहीं। छात्राओं ने कहा कि वे लंबे समय से भर्ती की मांग को लेकर आंदोलन कर रही हैं। बार-बार प्रदर्शन स्थल से हटाए जाने के बावजूद वे अपनी मांग को लेकर पीछे नहीं हटेंगी। वहीं, एडीसीपी सिटी सागर जैन ने बताया कि किसी भी छात्र के साथ बल प्रयोग नहीं किया गया। धरनास्थल पर बिना इजाजत प्रदर्शन चल रहा था।

आरपीएफ अफसर को ब्लैकमेल करने वाली युवती गिरफ्तार

15 लाख रुपये मांगे थे, झांसी पुलिस ने प्रयागराज जंक्शन से पकड़ा

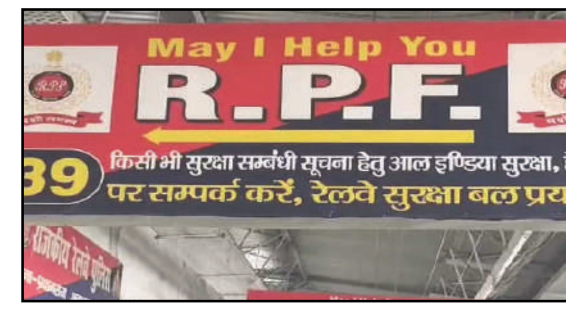

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज,झांसी रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त जितेंद्र कुमार शर्मा और उनके परिवार को कथित तौर पर ब्लैकमेल कर 15 लाख रुपए मांगने के मामले में आरोपी युवती मरीना लाजरस उर्फ मरीना को झांसी पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को उसके प्रयागराज आने की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम दोपहर करीब 12 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंची और रेस्ट रूम में इंतजार कर रही मरीना को पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को खुल्दाबाद थाने लाया गया। यहां जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे ट्रांजिट रिमांड के लिए कोर्ट में पेश किया गया। रिमांड मंजूर होने के बाद शाम करीब 5 बजे झांसी पुलिस उसे लेकर रवाना हो गई। मरीना के खिलाफ झांसी के नवाबाद थाने में रेल अधिकारी की पत्नी अंकिता भारद्वाज की तहरीर पर ऋकफ दर्ज है। आरोप है कि मरीना फोन और व्हाट्सएप के जरिए जितेंद्र कुमार शर्मा और उनके परिवार को ब्लैकमेल कर रही थी। परिवार की महिलाओं की आपत्तिजनक एडिटेड फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर 15 लाख रुपए मांगे जाने का आरोप है। तहरीर में जनवरी से जून 2026 के बीच मरीना को गूगल-पे के जरिए सात बार रकम भेजे जाने का भी उल्लेख है। इनमें 5 हजार, 10 हजार, 7 हजार, 3 हजार, 3 हजार, 2 हजार और 10 हजार रुपए के लेनदेन बताए गए हैं। आरोप है कि 31 जुलाई को मरीना ने रेल अधिकारी की आपत्तिजनक एडिटेड फोटो उनकी पत्नी के व्हाट्सएप पर भेजी। इसके बाद 15 लाख रुपए की मांग की गई।

बने रहे दिव्यांग फर्जी पेंशन लेकर सरकार को लगाया 96500 का चूना

विभाग में जांच करते हुए फर्जी प्रमाण पत्र किया रद्द मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर ,जनपद में हुई आईजीआरएस लिखित शिकायत के बाद विभाग ने फर्जी प्रमाण पत्र लगाकर पेंशन का उपभोग करने वाले तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी प्रगीत मिश्रा ने जांच करते हुए बताया कि कोतवाली फतेहपुर में मिली शिकायत की जांच की गई जहां जांच के पश्चात फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र लगाकर पेंशन प्राप्त करनेवाले अर्जुन सिंह पुत्र अनंत प्रताप सिंह सुमित सिंह पुत्र अर्जुन सिंह तथा सुनीता पत्नी अर्जुन सिंह की बारीकी से जांच की गई जहां जांच में सभी के प्रमाण पत्र फर्जी पाए गए विभाग ने तत्काल जांच करते हुए सभी के प्रमाण पत्र रद्द किए वहीं तीनों आरोपियों की कुल 96500 की रिकवरी करने का आदेश दिया

मां के डांटने पर कक्षा 8 की छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

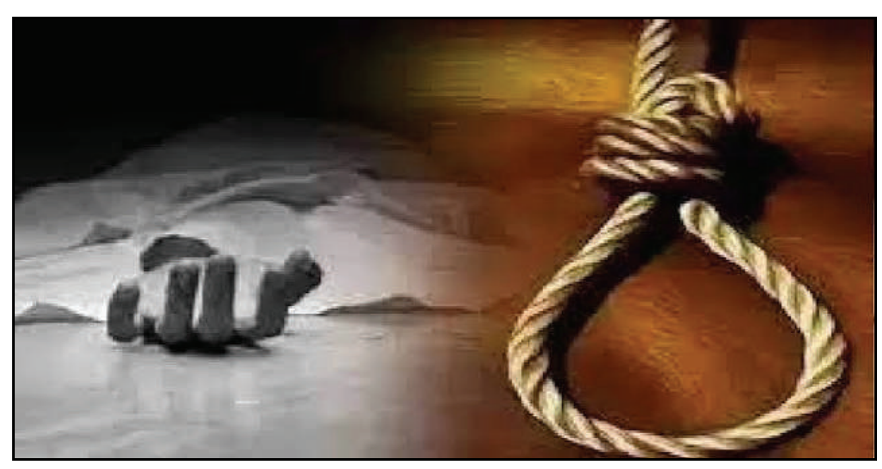

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के गाजीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव कुआं पार निवासिनी 13 वर्षीय किशोरी ने मां की डांट फटकार से क्षुब्ध होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली मिली जानकारी के अनुसार किशोरी कक्षा 8 की छात्रा थी वही अपने विद्यालय से वापस लौटकर बेटी घर में ही खेल रही थी जहां मां ने जानवरों की देखभाल तथा चारे के प्रबंध के लिए कहा वही बच्ची ने मां की बात को ध्यान नहीं दिया जिस पर मां ने उसे कड़ी डांट फटकार लगाई मां की डांट से आहत होकर बेटी सविता ने घर के अंदर ही घटना को अंजाम दे दिया परिजनों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार घटना के समय मृतका की बहन तथा मां जानवर के लिए चारा लेने खेतों पर गई थी वहीं पिता फूलचंद दूसरे प्रांत में प्राइवेट नौकरी करता है घर पर बेटी अकेली थी वही अकेले होने का फायदा उठाकर बेटी ने आत्महत्या कर ली यह जानकारी जैसे ही शाम समय परिजनों को हुई तो घर में हाहाकार मच गया घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंची थाना प्रभारी विनोद कुमार ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा ।

घरेलू कलह ने ली जान अधेड़ ने लगाई फांसी हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर ,जनपद के जाफरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव रणमस्तपुर निवासी 51 वर्षीय अधेड़ रामलाल पुत्र स्वर्गीय बच्छराज ने एक नीम के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली यह जानकारी जैसे ही परिजनों को मिली तो परिजनों में कोहराम मच गया वहीं सूचना पुलिस प्रशासन को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस प्रशासन ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा मिली जानकारी के अनुसार अधेड़ ग्रामीण पूर्व काल में लखनऊ अंतर्गत एक दुग्ध फॉर्म लिमिटेड कंपनी में नौकरी करता था विगत लगभग 6 माह पहले नौकरी छूट जाने के बाद वह अपना परिवार लेकर गांव में निवास करने लगा वहीं विगत दिवस गांव से लगभग 700 मीटर दूर खड़े एक नीम के पेड़ में फांसी लगाकर घटना को अंजाम दे दिया ग्रामीणों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार कई दिनों से मृतक के घर में घरेलू कलह चल रही थी जिसके कारण यह घटना घटित हो गई वहीं मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक आकाश कुमार ने फॉरेंसिक टीम को भी आमंत्रित किया जहां पहुंची टीम ने भी साक्ष्य जुटाए वहीं पुलिस प्रशासन ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पश्चात अग्रिम कार्रवाई की जाएगी

मंदिर में नाबालिग की शादी से हड़कंप

पुलिस पहुंची तो बारातियों के साथ दूल्हा भागा, किशोरी को राजकीय बालिका गृह भेजा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , मेडिकल थाना क्षेत्र में मंदिर में 13 वर्षीय किशोरी की शादी कराए जाने की सूचना से पुलिस महकमे में खलबली मच गई। सूचना मिलते ही डायल-112 की पीआरवी बताए गए माता के मंदिर पहुंची। पुलिस के पहुंचने से पहले ही युवक और उसके साथ आए लोग मौके से फरार हो गए। चाइल्ड वेलफेयर कमेटी किशोरी की काउंसलिंग कर रही है। दोनों पक्ष एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। मामला सोमवार शाम का है। डायल-112 पर किसी व्यक्ति ने सूचना दी कि पीवीएस चौकी के अंतर्गत माता के मंदिर में 13 वर्षीय किशोरी की शादी कराई जा रही है। सूचना में यह भी बताया गया कि मंदिर में शादी की रस्में चल रही हैं। सूचना मिलते ही पीआरवी मौके पर पहुंची। पुलिस की गाड़ी देखते ही मंदिर परिसर में भगदड़ मच गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही करीब 20 वर्षीय युवक और उसके साथ मौजूद अन्य लोग वहां से निकल गए। पुलिसकर्मियों ने मंदिर के अंदर जाकर देखा तो 13 वर्षीय किशोरी एक महिला के साथ मौजूद थी जो उसकी मां बताई गई। पूछताछ में किशोरी ने बताया कि वह किसी का इंतजार कर रही थी। हालांकि, किशोरी के कपड़ों को देखकर पुलिस को मामला संदिग्ध लगा। तत्काल मेडिकल थाना पुलिस को सूचना दी गई। महिला पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचीं और किशोरी को अपनी सुपुर्दगी में लेकर थाने ले आईं। मेडिकल पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी चाइल्ड वेलफेयर कमेटी को दी। कमेटी की टीम ने किशोरी को अपनी सुपुर्दगी में ले लिया। मंगलवार को किशोरी को सीडब्ल्यूसी के समक्ष पेश किया गया, जहां उसके बयान दर्ज किए गए। इसके बाद किशोरी को नोएडा सेक्टर-62 स्थित राजकीय बालिका गृह भेज दिया गया। वहां उसकी काउंसलिंग कराई जा रही है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई बाल विवाह की सूचना

मंदिर में किशोरी की शादी कराए जाने से जुड़ी सूचना एक फोटो के साथ सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला फिर चर्चा में आ गया। हालांकि, पुलिस अधिकारी फिलहाल मामले में ज्यादा जानकारी देने से बच रहे हैं। पुलिस का कहना है कि किशोरी को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के सुपुर्द कर दिया गया है और कमेटी अपने स्तर से पूरे मामले की जांच कर रही है। दोनों परिवार एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैंयुवक और साथ आए लोगों की तलाश का सवालपुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही 20 वर्षीय युवक समेत अन्य लोगों के फरार होने के कारण कई सवाल खड़े हो गए हैं। आखिर किशोरी को मंदिर तक कौन लेकर आया था और वहां शादी की रस्में किसके कहने पर कराई जा रही थीं, इसे लेकर पुलिस स्तर पर जानकारी जुटाई जा रही है।

रिटायरमेंट से डेढ़ साल पहले कानूनगो घूस लेते पकड़ा गया

मेरठ में पीड़ित से बोला- जब तक पैसे नहीं दोगे, ऐसे ही घूमते रहोगे

अमन लेखनी समाचार

मेरठ,एक कानूनगो को 30 हजार रुपए की घूस लेते गिरफ्तार किया गया। डेढ़ साल बाद उसका रिटायरमेंट था। कानूनगो ने रिपोर्ट लगाने के नाम पर घूस मांगी थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम से कर दी। पीड़ित ने जैसे ही कानूनगो को 20 हजार रुपए पकड़ाए, एंटी करप्शन टीम ने उसे दबोच लिया। टीम को देखते ही कानूनगो ने रुपए निकालकर फेंक दिए। इसके बाद वह गिड़गिड़ाने लगा। कानूनगो को देहली गेट थाने लाया गया, जहां उससे पूछताछ की गई। मामला दोपहर करीब 2:15 बजे का है। मुंडाली थाना क्षेत्र के ग्राम आलमपुर बुजुर्ग में रहने वाले दल सिंह का जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इसके लिए दल सिंह ने एसडीएम कोर्ट में 29 जून, 2026 मुकदमा दर्ज कराया था। एसडीएम की तरफ से रिपोर्ट के लिए मामला सदर तहसील भेजा गया। कई दिन बीतने के बाद भी जब रिपोर्ट नहीं लगी, तो दल सिंह ने तहसील आकर कानूनगो धर्मपाल सिंह से संपर्क किया। धर्मपाल ने बार-बार एक-दो दिन में रिपोर्य लगाने का आश्वासन देकर दल सिंह को चक्कर कटवाने शुरू कर दिए। दल सिंह जब भी कानूनगो से मिलते, तो वह कोई न कोई बहाना बनाकर टाल देते इसी दौरान कानूनगो ने दल सिंह से 30 हजार रुपए की मांग कर दी। दल सिंह ने कहा- मेरे पास इतने रुपए नहीं हैं। इस पर कानूनगो ने कहा- 30 हजार रुपए दे दोगे, तो फाइनल रिपोर्ट लगा दूंगा। मुझे भी आगे खर्च देना होता है। जब तक पैसा नहीं दोगे, तब तक ऐसे ही घूमते रहोगे।8 सितंबर को एंटीकरप्शन टीम से शिकायतदल सिंह ने कहा- मैंने 8 सितंबर को एंटी करप्शन टीम से इस बात की लिखित में शिकायत कर दी। आज मैं अपने एक साथी के साथ दोपहर 2 बजे तहसील आया। हम दोनों सीधे कानूनगो के कमरा नंबर-18 में पहुंचे। यहां कानूनगो ने पूछा- पैसे लाए हो? तो मैंने कहा- हां। उन्होंने फिर पूछा- कि कितने लाए हो? इस पर मैंने कहा कि 30 हजार रुपए। जब मैंने अपनी जेब से 30 हजार रुपए निकालकर दिए, तो कानूनगो ने ले लिए और अपनी पैंट की जेब में रख लिए।

जैसे ही एंटी करप्शन टीम वहां पहुंची और अपना परिचय दिया, तो कानूनगो ने जेब से रुपए निकाल कर फेंक दिए।

11 चोरी की बाइक के साथ 2 गिरफ्तार

बाइक चोर गिरोह का खुलासा, तमंचा-कारतूस और चाकू भी मिला

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , फेज-2 थाना पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की 11 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। आरोपियों के पास से 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस और चाकू भी मिला है। पुलिस के मुताबिक आरोपी दिल्ली-एनसीआर में वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को सेक्टर-88 स्थित ट्रांसपोर्ट नगर तिराहे के कट के पास से गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान कृष्ण उर्फ लेफ्टी (29) और मोहित (28) के रूप में हुई है। दोनों वर्तमान में गौतमबुद्धनगर में अलग-अलग स्थानों पर रह रहे थे। कॉलोनी से लेकर बाजार तक बाइक पर नजरआरोपी दिल्ली-एनसीआर की कॉलोनियों, कंपनियों के आसपास, साप्ताहिक बाजारों और दुकानों के बाहर खड़ी मोटरसाइकिलों को निशाना बनाते थे। चोरी की बाइकों का इस्तेमाल लूट जैसी वारदातों में भी किया जाता था। पुलिस के मुताबिक पकड़े जाने की स्थिति में लोगों को डराने-धमकाने के लिए आरोपी अवैध हथियार रखते थे।

अवैध पटाखों के गोदाम पर पुलिस का छापा

3 लाख के पटाखे बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

गौतमबुद्धनगर, पुलिस आगामी त्योहारों को देखते हुए अवैध पटाखों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में बिसरख पुलिस ने रात शाहबेरी में अवैध पटाखों के एक गोदाम पर छापा मारा। पुलिस ने यहां से करीब तीन लाख रुपये के अवैध पटाखे बरामद किए और एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया है। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार को बिसरख पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में अवैध पटाखों का भंडारण किया जा रहा है। सूचना के बाद पुलिस टीम ने शाहबेरी की नागौरी-1, बालाजी एन्क्लेव सोसाइटी के एक फ्लैट में छापेमारी की।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने नितिन गर्ग नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से करीब तीन लाख रुपये कीमत के अवैध पटाखे बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपी की उम्र 39 साल है और वह नागौरी-1, बालाजी एन्क्लेव, शाहबेरी का रहने वाला है। आरोपी असल में बुलंदशहर के जहांगीराबाद कस्बे का निवासी बताया गया है। इस मामले में बिसरख थाने में विस्फोटक अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि अवैध रूप से पटाखों का भंडारण और बिक्री करने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

ग्रेटर नोएडा में किसान और पुलिस भिड़े

प्राधिकरण ऑफिस के बाहर हंगामा, 10%आबादी प्लॉट समेत कई मांगों पर अड़े

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर ,ग्रेटर नोएडा में किसानों ने प्राधिकरण ऑफिस के बाहर हंगामा किया। इस दौरान किसानों और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। किसानों ने कहा- 10%आबादी प्लॉट किसानों को मुआवजे के तौर पर दिए जाएं। गौतमबुद्ध नगर में किसान लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। किसान संघर्ष मोर्चा ने इस प्रदर्शन की घोषणा पहले ही कर दी थी। इसी के तहत किसान ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पहुंचे और नारेबाजी की।

नया भूमि अधिग्रहण कानून लागू करें

किसान सभा के जिलाध्यक्ष रुपेश वर्मा और भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों ने प्रदर्शन किया। उनकी मांगों में नया भूमि अधिग्रहण कानून लागू करना, 10 प्रतिशत आबादी प्लॉट देना और आबादी से जुड़े मामलों का समाधान करना शामिल है। किसानों ने प्राधिकरण में घुसने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी। इस दौरान पुलिस और किसानों के बीच नोकझोंक भी हुई। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने भी किसानों के इस प्रदर्शन का समर्थन किया ।किसान नेता रुपेश वर्मा ने कहा कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जातीं, तब तक वे प्रदर्शन जारी रखेंगे।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत, मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप

अमन लेखनी समाचार

बेहंदर/कासिमपुर। हरदोई के बेहंदर क्षेत्र के कासिमपुर थाना अंतर्गत पड़री गांव में गुरुवार को एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला का शव घर के अंदर फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच शुरू कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, मायके वालों ने महिला की हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है। पड़री गांव निवासी राहुल कुमार की पत्नी सुशीला देवी का शव गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला। बताया जा रहा है कि सुशीला की शादी करीब ढाई वर्ष पहले राहुल कुमार से हुई थी। दंपती का करीब एक वर्ष का बेटा भी है। महिला की मौत की सूचना मिलने पर उसके पिता मोहनलाल उर्फ मुन्नीलाल, निवासी

हरईपुर गांव, थाना बेहटा मुजावर, जनपद उन्नाव, मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि दोपहर में मृतका के जेठ अजय ने उन्हें फोन कर बेटी के फांसी लगाने की जानकारी दी। पिता ने मामले की जांच कराकर शव का पोस्टमार्टम कराने और उचित कार्रवाई की मांग की। वहीं, मृतका की मां ने बेटी की मौत को आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए हत्या का आरोप लगाया। उनका कहना है कि बेटी की हत्या करने के बाद घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे से लटकाया गया। मायके वालों के आरोपों के बाद पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी। घटनास्थल पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने जांच कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। संडीला के नायब तहसीलदार शिवम श्रीवास्तव भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। कासिमपुर प्रभारी निरीक्षक घनश्याम राम ने बताया कि मामले में शिकायत मिली है। घटनास्थल की जांच की जा रही है और फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अपंजीकृत एवं प्रतिबंधित कीटनाशी युक्त उत्पादों की बिक्री पर रहेगी सख्त निगरानी

मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती/कॉइल में अपंजीकृत कीटनाशी रसायनों के प्रयोग को लेकर विक्रेताओं एवं पेस्ट कंट्रोल ऑपरेटरों को सतर्क रहने के निर्देश।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।जिला कृषि रक्षा अधिकारी विरेन्द्र कुमार ने अवगत कराया है कि जनपद के समस्त कीटनाशी विक्रेताओं, पेस्ट कंट्रोल ऑपरेटरों एवं संबंधित व्यापारियों को निर्देशित किया गया है कि ऐसे किसी भी उत्पाद का विक्रय, भंडारण अथवा उपयोग न करें, जिनमें अपंजीकृत अथवा प्रतिबंधित कीटनाशी रसायनों का प्रयोग किया गया हो। विशेष रूप से मच्छर भगाने वाली अगरबत्तियों एवं कॉइल उत्पादों में अपंजीकृत कीटनाशी रसायन मेपरफ्लुथ्रिन के प्रयोग को लेकर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। स्वीट नाइट डायनासोर एवं कम्फर्ट ब्रांड की अगरबत्तियों/कॉइल के संबंध में भी विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। ऐसे उत्पादों का विक्रय एवं उपयोग मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं विधिक प्रावधानों की दृष्टि से गंभीर विषय है। सभी संबंधित विक्रेताओं एवं पेस्ट कंट्रोल ऑपरेटरों को अपने प्रतिष्ठानों पर उपलब्ध उत्पादों का सत्यापन सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार के अपंजीकृत अथवा प्रतिबंधित कीटनाशी युक्त उत्पाद की बिक्री तत्काल बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लंघन पाए जाने पर कीटनाशी अधिनियम, 1968 एवं कीटनाशी नियमावली, 1971 के प्रावधानों के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आमजन से भी अपील की गई है कि संदिग्ध अथवा अपंजीकृत कीटनाशी युक्त उत्पाद की जानकारी मिलने पर निकटतम कृषि रक्षा कार्यालय को सूचित करें, ताकि आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण की ओर सशक्त पहल

महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराधों के प्रति किया गया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों–जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य–पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर
112-आपातकालीन सेवा
1090 / 1091-महिला सुरक्षा हेल्पलाइन
181-महिला हेल्पलाइन
1930-साइबर अपराध हेल्पलाइन
1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

खास समाचार

13 बकरियां चोरी आठ दिन बाद जागी पुलिस

मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत के बाद दर्ज हुई एफआईआर, चौकी प्रभारी पर टालमटोल का आरोप

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।हुलासखेड़ा गांव में घर का ताला तोड़कर 13 बकरियां चोरी करने के मामले में पुलिस ने घटना के आठ दिन बाद मुकदमा दर्ज किया पीड़ित ने चौकी प्रभारी पर तहरीर देने के बावजूद कार्रवाई में टालमटोल करने का आरोप लगाया मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। हुलासखेड़ा निवासी माता प्रसाद पुत्र स्व.राम भरोसे के अनुसार तीन सितंबर की रात करीब साढ़े 12 बजे अज्ञात चोर घर का ताला तोड़कर अंदर घुसे और वहां बंधी 13 बकरियां चोरी कर ले गए सुबह जानकारी होने पर उन्होंने पुलिस को सूचना देकर तहरीर दी और कार्रवाई की मांग की पीड़ित का आरोप है कि तहरीर देने के बाद भी कई दिनों तक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया कार्रवाई न होने पर उन्होंने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की इसके बाद पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया पुलिस का कहना कि चोरी गई बकरियों की तलाश के साथ ही आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे घटना के आठ दिन बाद मुकदमा दर्ज होने से पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं।

रात के अंधेरे में केबल काट ले गए चोर

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।रायबरेली-लखनऊ मार्ग पर हरि रेस्टोरेंट के पास अज्ञात चोरों ने रात के अंधेरे में करीब 50.60 मीटर केबल काटकर चोरी कर ली सुबह घटना की जानकारी होने पर संबंधित लोगों में हड़कंप मच गया सूचना पर पहुंची मोहनलालगंज पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया पुलिस के मुताबिक सीतापुर जिले के मिश्रिख थाना क्षेत्र के तरसावां निवासी सत्य प्रकाश पुत्र राम सागर ने पुलिस को तहरीर दी तहरीर में बताया कि रायबरेली-लखनऊ मार्ग पर हरि रेस्टोरेंट के पास लगी करीब 50.60 मीटर केबल को अज्ञात चोरों ने काट दिया और उसे चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी होने के बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी मोहनलालगंज पुलिस ने तहरीर के आधार पर बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही इसके साथ ही आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर चोरों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

वारंटियों के खिलाफ अभियान, दो गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

कोन (सोनभद्र)।न्यायालय से जारी वारंटों के अनुपालन में कोन पुलिस ने अभियान चलाकर दो वारंटियों को गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक कोन अखिलेश कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिस टीम ने न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर कमलेश यादव पुत्र गुलाब चंद्र और सुशील पुत्र शिवशंभु, निवासी नोइडहा, थाना कोन को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 1993/05 में धारा 147, 323, 336, 338, 504, 506 भादवि एवं 7 सीएलए एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक हसनाथ यादव समेत पुलिसकर्मी शामिल रहे।

पीडीए की एकजुटता से भाजपा घबराई, सामाजिक न्याय के लिए सरकार जरूरी

कुशवाहा–मौर्य समाज के जनसंवाद सम्मेलन में बोले सांसद बाबू सिंह कुशवाहा

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर। भरूहना स्थित कान्हा मैरिज लान में बुधवार को कुशवाहा-मौर्य समाज का जनसंवाद सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के जौनपुर सांसद एवं लोकसभा उपनेता बाबू सिंह कुशवाहा ने शहीद बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए बाबू सिंह कुशवाहा ने कहा कि सामाजिक न्याय की लड़ाई पुरानी है। उन्होंने भाजपा पर सामाजिक न्याय विरोधी राजनीति करने और विपक्ष को बदनाम करने का आरोप लगाया। कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान की रक्षा और सामाजिक न्याय के लिए पीडीए सरकार जरूरी है। पीडीए ही भाजपा का विकल्प है। पीडीए की एकजुटता से भाजपा घबराई हुई है और तरह-तरह के षड्यंत्र कर रही है। उन्होंने कहा कि गरीबों और कमजोर वर्गों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। सच्चा सनातनी कभी किसी से नफरत नहीं करता और न ही दूसरे के साथ अन्याय करता है। सम्मेलन में उपस्थित लोगों ने पीडीए समाज को जोड़ने और आंदोलन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

जातीय जनगणना की उठी मांग

सपा के सोनभद्र सांसद छोटेलाल खरवार ने जातीय जनगणना कराने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि पिछड़ा समाज आबादी में अधिक है, लेकिन उसकी वास्तविक संख्या सामने नहीं आती। जातीय जनगणना के माध्यम से आबादी के अनुसार हक और सम्मान मिलना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने की। पूर्व विधायक जगदंबा सिंह पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक यादव, शिवशंकर यादव, रामजी मौर्य, रोहित शुक्ला, सुरेंद्र पटेल, सूरज मौर्य, कौशिक कुमार कनौजिया, राजनारायण निराला, राजेश भारती, जवाहर लाल मौर्य, सुभाष पटेल, रविंद्र बहादुर सिंह, राकेश यादव, विजय सिंह, राम मिलन यादव, झल्लू यादव, संत बीर मौर्य, गिरधारी पटेल, अशोक सिंह मुन्ना, साधु मौर्य, संजय मौर्य समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ईश्वरीय स्नेह मिलन कार्यक्रम में 13 सितंबर को मीडिया बंधुओं का होगा सम्मानः बीके सुमन

–रॉबर्ट्सगंज के विकास नगर स्थित ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय भवन में शाम 7 बजे किया गया है आयोजन

फोटोः बीके सुमन मुख्य संचालिका प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, सोनभद्र।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। अपनी लेखनी और चिंतन से जनता और लोकतंत्र की आवाज बनकर समाज की सेवा करने वाले मीडिया बंधुओं की आत्मिक सेवा के लिए ईश्वरीय स्नेह मिलन कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर 13 सितंबर 2026 दिन रविवार की शाम 7 बजे रखा गया है। इस कार्यक्रम में मीडिया बंधुओं को सम्मानित किया जाएगा। रॉबर्ट्सगंज के विकास नगर स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्य संचालिका बी के सुमन ने बताया कि पिताश्री ब्रह्मबाबा, निराकार ज्योतिबिंदु परमपिता शिव की सूक्ष्म प्रेरणा से 13 सितंबर 2026 दिन रविवार की शाम 7 बजे से 8:30 बजे के बीच ईश्वरीय स्नेह मिलन कार्यक्रम रखा गया है। इस कार्यक्रम में अपनी लेखनी और चिंतन से जनता और लोकतंत्र की आवाज बनकर समाज की सेवा करने वाले मीडिया बंधुओं की आत्मिक सेवा के लिए उन्हें ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस दौरान आध्यात्मिक संदेश, राजयोग अनुभूति, मीडिया बंधुओं का सम्मान के साथ ही सात्विक भोजन प्रसाद के रूप में स्वीकार करने हेतु आग्रह करते हुए सभी मीडिया बंधुओं से कार्यक्रम में समय से पहुंचने का निवेदन किया है।

करमा महोत्सव बनेगा सोनभद्र की जनजातीय संस्कृति की पहचान- मंत्री

भव्य आयोजन के साथ देश–दुनिया तक पहुंचेगी जनपद की समृद्ध लोक एवं जनजातीय विरासत।

करमा महोत्सव की तैयारियों को लेकर समाज कल्याण राज्य मंत्री की अध्यक्षता में बैठक।

चोपन के कोटा गॉव से होगा करमा महोत्सव का शुभारंभ, प्रशासन और आयोजन से जुड़े कार्यकर्ता मिलकर संभालेंगे जिम्मेदारी।

महोत्सव के व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए तैयार होगी प्रभावी कार्ययोजना–जिलाधिकारी.

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनपद की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को व्यापक मंच देने की दिशा में करमा महोत्सव को इस वर्ष भव्य एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करने की तैयारी शुरू हो गई है। इसी क्रम में आज सर्किट हाउस सभागार में प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव गौड़ की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर महोत्सव की तैयारियों एवं प्रस्तावित कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में आयोजन को जनपद की सांस्कृतिक पहचान के रूप में स्थापित करने तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव गौड़ ने कहा कि करमा महोत्सव का आयोजन जनपद में भव्य, गरिमापूर्ण एवं भावपूर्ण तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि सोनभद्र की जनजातीय संस्कृति अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। करमा महोत्सव के माध्यम से यहां की लोक परंपराओं, कला, संस्कृति और विरासत को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महोत्सव से संबंधित सभी तैयारियां बेहतर समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से पूरी की जाएं। उन्होंने बताया कि करमा महोत्सव का शुभारंभ चोपन ब्लॉक के कोटा गॉव में प्रशासन एवं करमा महोत्सव से जुड़े कार्यकताओं के सहयोग और सहभागिता से किया जाएगा। आयोजन में जनजातीय समाज की परंपराओं और सांस्कृतिक स्वरूप को प्रमुखता दिए जाने के साथ ही कार्यक्रम को अधिक प्रभावी एवं आकर्षक बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि करमा महोत्सव को जनपद में व्यापक एवं प्रभावी स्वरूप प्रदान करने के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि सोनभद्र की समृद्ध सांस्कृतिक एवं जनजातीय विरासत को उच्च स्तर पर प्रस्तुत करते हुए महोत्सव को व्यापक पहचान दिलाई जाए। इसके लिए आयोजन से जुड़ी सभी गतिविधियों को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के साथ ही व्यापक प्रचार-प्रसार की प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि जनपद की विशिष्ट लोक एवं जनजातीय संस्कृति अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि महोत्सव की तैयारियों में किसी प्रकार की कमी न रहे और सभी व्यवस्थाएं आपसी समन्वय के साथ समय से पूर्ण की जाएं। बैठक में अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, क्षेत्रीय मंत्री रामसुंदर निषाद, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, जिला पंचायत राज अधिकारी नामिता शरण, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी थीम के साथ 9वां राष्ट्रीय पोषण माह शुरू

सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों पर जनप्रतिनिधियों एवं समुदाय की सहभागिता से होंगे जन–जागरूकता कार्यक्रम।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि प्रधानमंत्री जी के विजन सुपोषित भारत (कुपोषण मुक्त भारत) को साकार करने के उद्देश्य से जनपद सोनभद्र में 9वां राष्ट्रीय पोषण माह 09 सितम्बर से 08 अक्टूबर, 2026 तक मनाया जाएगा। इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण माह का मुख्य फोकस हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी निर्धारित किया गया है। अभियान के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्रों को पोषण, देखभाल, स्वास्थ्य एवं बाल विकास से जुड़ी सामुदायिक गतिविधियों के प्रमुख केन्द्र के रूप में विकसित करने पर विशेष बल दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि पोषण अभियान एक बहु-विभागीय कन्वर्जेन्स आधारित जन-आंदोलन है, जिसमें प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जनभागीदारी एवं सामुदायिक सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस वर्ष भी जनपद में निर्धारित गतिविधि कैलेंडर के अनुसार व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान मुख्य रूप से आहार विविधता एवं पर्याप्त प्रोटीन, आंगनवाड़ी केन्द्रों पर ताजा पका भोजन, सामुदायिक स्वामित्व एवं जवाबदेही तथा बाल विकास हेतु पोषण एवं प्रारंभिक उद्दीपन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इन विषयों के माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं परिवारों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्रों पर ताजा पका भोजन बच्चों के पोषण एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल, सामुदायिक सहभागिता तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों के प्रति सामुदायिक स्वामित्व की भावना को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से मातृ स्वास्थ्य एवं पात्र लाभार्थियों को उपलब्ध कराए जा रहे नकद हस्तांतरण से संबंधित जानकारी भी जनसामान्य तक पहुंचाई जाएगी। उन्होंने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के तहत ईसीसीई (प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा), मोटापा नियंत्रण, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए वोकल फॉर लोकल सहित अन्य विषयों पर भी जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

कमल किशोर सिंह बनाए गए श्री श्री रेलवे रामलीला समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष

अमन लेखनी समाचार

चोपन। श्री श्री रेलवे रामलीला समिति चोपन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी रामलीला आयोजन को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से कमल किशोर सिंह को श्री श्री रेलवे रामलीला समिति का कार्यवाहक अध्यक्ष मनोनीत किया गया। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कमल किशोर सिंह को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सदस्यों ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में समिति द्वारा रामलीला मंचन की तैयारियों को बेहतर ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन को भव्य और व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया जाएगा। बैठक में आगामी रामलीला के मंचन, कलाकारों के चयन, मंच व्यवस्था, प्रकाश एवं ध्वनि व्यवस्था, सुरक्षा तथा दर्शकों की सुविधाओं सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया गया। समिति के सदस्यों ने कहा कि श्री श्री रेलवे रामलीला समिति द्वारा वर्षों से क्षेत्र में भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र एवं आदर्शों को रामलीला के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। नवनियुक्त कार्यवाहक अध्यक्ष कमल किशोर सिंह ने समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि समिति के सभी सदस्यों के सहयोग से आगामी रामलीला का आयोजन भव्य एवं सफल बनाने का प्रयास किया जाएगा संचालन मनोज चौबे ने किया बैठक में राजन जायसवाल, उमेश सिंह, हिरालाल वर्मा, राकेश चौरसिया,सतनाम सिंह, महेंद्र प्रसाद, अशोक सिंघल, सियाराम तिवारी, धर्मेंद्र जायसवाल, डा सत्येन्द्र आर्य, छोटू जायसवाल, कपिल कुमार, एस के सिंह, बबलू सोनी, राम आसरे जायसवाल, पिंटू जायसवाल, अभिषेक दूबे,विकास कुमार, रामकुमार सोनी, संतोष सिंह, अतुल शुक्ला, सुरेश यादव, विनित शर्मा, विनित जाटव, घनश्याम चौधरी सहित अन्य लोगबाग मौजूद रहे

अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को 25 सितम्बर तक मिलेगा निःशुल्क खाद्यान्न

अन्त्योदय कार्डधारकों को जुलाई, अगस्त व सितम्बर की 3 किलो चीनी भी मिलेगी, 18 प्रति किलो निर्धारित दर।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव गुप्ता ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत जनपद के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को माह सितम्बर 2026 के खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण 10 सितम्बर से 25 सितम्बर 2026 तक कराया जाएगा। अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 35 किलोग्राम खाद्यान्न, जिसमें 10 किलोग्राम गेहूं एवं 25 किलोग्राम फोर्टिफाइड चावल शामिल है, निःशुल्क दिया जाएगा। इसके साथ ही जुलाई, अगस्त एवं सितम्बर 2026 के सापेक्ष 3 किलोग्राम चीनी रूपया 18 प्रति किलोग्राम की दर से कुल रूपया 54 में उपलब्ध कराई जाएगी। चीनी के लिए पोर्टेबिलिटी की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी तथा लाभार्थी अपने मूल उचित दर विक्रेता से ही चीनी प्राप्त कर सकेंगे। पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 5 किलोग्राम खाद्यान्न, जिसमें 1 किलोग्राम गेहूं एवं 4 किलोग्राम फोर्टिफाइड चावल शामिल है, निःशुल्क वितरित किया जाएगा। जिन कार्डधारकों का अंगूठा बायोमेट्रिक सत्यापन में स्वीकार नहीं हो पा रहा है, उन्हें मोबाइल ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से 25 सितम्बर को खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। ई-पॉस मशीन से वितरण में समस्या होने पर प्रॉक्सी सुविधा का लाभ भी नियमानुसार दिया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने कार्डधारकों से निर्धारित अवधि में उचित दर दुकान पर उपस्थित होकर ई-केवाईसी कराने की भी अपील की है, ताकि खाद्यान्न का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त होता रहे।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह
समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

अच्छी सीख / डॉ. मोनिका शर्मा

ना करो कभी किसी के मन को दुखाने वाले कमेंट्स

बच्चो, तुम्हारी अच्छी या बुरी आदतें तुम्हें अच्छा या बुरा इंसान बनाने में इंपॉर्टेंट रोल निभाती हैं। तुम्हारी हमेशा यही कोशिश होनी चाहिए कि तुम्हारी बातों या व्यवहार से किसी का मन ना दु:खी हो। इसके लिए तुम्हें हमेशा कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

बच्चो, क्लासमेट्स हों, जान-पहचान के परिवारों के तुम्हारे ही एज ग्रुप के बच्चे या हमउम्र नेबर्स। सब एक जैसे नहीं हो सकते। सबका व्यक्तित्व अलग-अगल होता है। बोलने का रंग-ढंग भी डिफरेंट होता है। पढ़ाई में भी सब एक जैसा परफॉर्म नहीं कर पाते। इसीलिए किसी भी बात को लेकर कभी भी किसी पर नेगेटिव कमेंट नहीं करना चाहिए।

मन दुखाता बिहेवियर

बच्चो, ज्यादा वजन वाले किसी क्लासमेट को मोटा कह देना, एग्जाम में कम मार्क्स आने पर किसी का मजाक उड़ाना, किसी नेबर के पहनावे में कमी निकालना या अपने किसी फ्रेंड के अच्छे से कोई खेल ना खेल पाने पर उसकी हंसी उड़ाना या फिर किसी के मन में कुछ नया सीखने से पहले रहने वाले डर या उलझन को और बढ़ाना, किसी को कुछ सीखने में थोड़ा ज्यादा समय लगने पर कुछ कह सुनाना। किसी के कोई नई चीज, एक्टिविटी या लुक ट्राय करने पर मजाक बनाना। ये सब तुम्हें बिल्कुल नहीं करना चाहिए। मजाक भर लगने वाले ऐसे कमेंट्स दिल को बहुत ठेस पहुंचाते हैं। ऐसी बातें तुम्हारे सहपाठी या दोस्त का दिल ही नहीं दुखातीं, उसके आत्मविश्वास को कम करने वाली भी होती हैं। बच्चो, मन दुखाने वाले इस तरह के बिहेवियर से तुम्हें हमेशा बचना चाहिए।

समझो ये बात

किसी की फिजिकल अपीयरेंस के पीछे कोई हेल्थ से जुड़ी प्रॉब्लम भी हो सकती है। रंग-रूप भी हमें जन्म से ही मिलता है। इन बातों पर हमारा वश न के बराबर होता है। ऐसे में किसी को कुछ भी कह देना, मन दुखाने वाली बात होती है। इतना ही नहीं, किसी भी बात को प्वाइंट आउट कर किसी पर टीका-टिप्पणी करना, खुद तुम्हें भी नेगेटिव मानसिकता के घेरे में ले आएगा। इसीलिए हमेशा सोच-समझकर बोलने की आदत बनाओ।

क्वालिटीज को देखो

बच्चो, तुमने जरूर ध्यान दिया होगा कि किसी फ्रेंड की हैंड राइटिंग अच्छी होती है तो किसी की रीडिंग। कोई स्पोर्ट्स में अच्छा होता है तो किसी की डांसिंग कमाल की होती है। इसीलिए किसी को भी जज करने या कमतर आंकने की भूल तुम्हें नहीं करनी चाहिए। दूसरों को अपने से पीछे या नीचे समझने की सोच ही नकारात्मक शब्दों को तुम्हारी बातचीत का हिस्सा बना देती है। दूसरों की उपेक्षा करना सिखाती है। तुम्हारे मन में ईगो ले आती है। इसीलिए क्लासमेट्स हों या फ्रेंड्स, हमेशा उनके गुणों पर ध्यान दो। अगर तुम्हारे साथियों में कोई कमी हो तो भी उसे मोटिवेट करो। मन को ठेस पहुंचाते कमेंट्स वाली खींचतान के बजाय एक-दूसरे को बेहतर बनने में मदद करने का प्यारा भाव रखो। इस बात को हमेशा याद रखो कि कोई भी परफेक्ट नहीं होता। ताना देने के बजाय अपनी बातचीत में काइंड वर्ड्स को शामिल करो। पॉजिटिव कम्युनिकेशन से खुद अपने पर्सनालिटी को भी बेहतर बनाने में मदद मिलती है। सोच-समझकर बोलना जिंदगी में हमेशा काम आता है। *

नेगेटिव कंटेंट से रखो दूरी

बच्चो, आजकल बहुत से रील्स और टीवी कार्यक्रमों में भी मजाक उड़ाने वाली बातें खूब होती हैं। कई वीडियोज में तो टीचर्स और मम्मी-पापा का भी मजाक उड़ाते हुए दिखाया जाता है। जाने-अनजाने यह कंटेंट तुम्हारे मन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने लगता है। इन्हें देखकर बहुत से बच्चे तो टीचर्स के अपीयरेंस तक पर कमेंट करने लगते हैं। स्कूल में पढ़ाने-सिखाने वाले तुम्हारे टीचर्स तुम्हारे शब्दों से दुखी हों, यह कोई अच्छी बात नहीं है। इसलिए तुम ऐसे कंटेंट से दूर रहो।

स्कूल बस का रंग पीला क्यों होता है

बच्चो, क्या तुमने कभी सोचा है कि अधिकांश स्कूल बसों का रंग पीला क्यों होता है? क्या यह सिर्फ एक पुरानी परंपरा है या इसके पीछे कोई व्यावहारिक और वैज्ञानिक कारण है? इस बारे में जानो।

जानकारी
नयनतारा

बच्चो, तुमने देखा होगा कि प्राय: स्कूल बसों का रंग पीला होता है। हो सकता है तुम भी जिस स्कूल बस से जाते हो, उसका रंग भी पीला हो। तुम सोचते होगे कि क्या कोई नियम है कि स्कूल बस पीले रंग की ही होनी चाहिए या इसके पीछे कोई और वजह है? आओ जानते हैं।

व्यावहारिक कारण: 1930 तक अमेरिका में ऐसी स्कूल बसों का प्रयोग किया जाता था, जो अलग अलग रंग की होती थीं। कुछ नीली रंग की होती थीं, कुछ हरे, लाल या एकदम लकड़ी जैसे रंग की। इन स्कूल बसों का कोई स्टैंडर्ड फिक्स कलर नहीं होता था, जिससे व्यस्त सड़कों पर अलग से नोटिस किया जा सके कि यह स्कूल बस है। इस बात को ध्यान में रखकर शिक्षा विशेषज्ञ डॉ. फ्रैंक डब्लू सर ने 1939 में एक सम्मेलन का आयोजन किया ताकि स्कूल यातायात के लिए राष्ट्रीय मानक बनाया जा सके। इससे संबंधित अनेक सुझाव दिए गए, जिनमें यह आम सहमति बनी कि प्रत्येक स्कूल बस को समान चमकदार पीले रंग से पेंट किया जाए। आखिरकार इसी रंग को 'नेशनल स्कूल बस ग्लॉसी येलो' मान लिया गया।

वैज्ञानिक कारण: बच्चो, स्कूल बसों को पीले रंग से रंगने के पीछे वैज्ञानिक कारण भी हैं। दरअसल, हमारी आंखें अन्य रंगों की तुलना में पीले रंग को अधिक जल्दी पहचानती हैं, खासकर दिन की रोशनी में। यह रंग पेड़ों, बिल्डिंग्स, बादल भरे आसमान और बारिश के बीच भी अलग दिखाई देता है। गहरे रंग अकसर अपनी पृष्ठभूमि में रम जाते हैं, जबकि पीला रंग तुरंत और दूर से ही ध्यान आकर्षित करता है।

हर मौसम के लिए अनुकूल रंग: स्कूल बस को हर प्रकार के मौसम में चलना होता है, चाहे सुबह की धुंध हो, बारिश हो, जाड़े की सुबह हो या धूल भरी सड़क, जिससे दिखाई देना कठिन हो जाता है। इनमें से अधिकतर स्थितियों में चमकदार पीले रंग का स्कूल बस को दूर से देख लिया जाता है। फिर जब बस आगे व पीछे काले रंग से 'स्कूल बस' लिखा होता है तो उसे देखना और ज्यादा आसान हो जाता है। इससे जब साथ में चलने वाले दूसरे वाहन, स्कूल बस को धीमा होते या रुकते हुए देखते हैं तो उनके चालकों को प्रतिक्रिया का कुछ अतिरिक्त समय मिल जाता है। यही वजह है कि पीला रंग स्कूल बस की सुरक्षा का प्रतीक बन गया और यह पूरी दुनिया में अपनाया गया। *

तुम्हारे लिए नई किताब / सुरेंद्र विक्रम

हंसाती-गुदगुदाती कविताएं

बच्चो, जरा सोचो अगर एक ऐसी पुस्तक तुम्हें पढ़ने को मिल जाए, जिसमें मनोरंजन, हास्य के साथ पर्यावरण की भी जानकारी हो तो पढ़ने में कितना मजा आएगा! डॉ. सुधा गुप्ता 'अमृता' द्वारा रचित 'चीं चीं चीं हाऊं हाऊं' एक ऐसा ही बाल कविता संग्रह है। इसमें कुल 23 कविताएं हैं। 'अरे! पेड़ पर चढ़ गए हम' कविता में बड़े उत्साह से एक बच्चा पेड़ पर चढ़ तो गया, लेकिन नीचे कैसे उतरे? ऊपर से पेड़ पर बैठे बंदर को देखकर सिट्टी-पिट्टी गुम हो जाती है। मारे डर के फिसलता है, संभलता है फिर धड़ाम से नीचे कूद जाता है। 'खट्टे हैं अंगूर' कविता में तुम पढ़ोगे कि लोमड़ी तो अंगूर नहीं तोड़ पाती है, मगर पेड़ पर चढ़कर बंदर झट से अंगूर तोड़ देता है। इस किताब में 'वैशाखनंदन' पर भी कविता है। तुम समझ गए न! वैशाखनंदन, गधे को कहते हैं। शीर्षक कविता 'चीं चीं चीं हाऊं हाऊं' कविता में तुम पढ़ोगे कि कैसे एक चूहा मुखौटा लगाकर शेर बन जाता है। चूहे को इस तरह देखकर बिल्ली भी डर कर भाग जाती है। 'धम धमाधम फिसले' कविता में तुम पढ़ोगे कि बरसते हुए पानी और कीचड़ के बीच किस तरह सारी सब्जियां धम धमाधम एक-दूसरे पर गिरती हैं? पुस्तक की अन्य कविताएं भी बहुत ही रोचक और मजेदार हैं। *

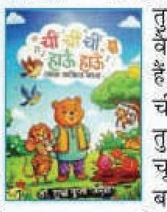

किताब: चीं चीं चीं हाऊं हाऊं (बाल-कविता संग्रह), **लेखिका:** डॉ. सुधा गुप्ता 'अमृता', **मूल्य:** 150 रुपए, **प्रकाशक:** इंडिया नेटबुक्स प्रा. लि., नोएडा

हंसगुल्ले

चिंटू : फाइव के बाद क्या आता है?
मिंटू : जीरो।
चिंटू : अरे! ऐसा कहा आता है?
मिंटू : फैन के रेग्युलेटर में।
-सान्या, रायपुर

मोनू : यार, ये गूगल किसी काम का नहीं!
सोनू : क्यों, क्या हुआ?
मोनू : क्या फायदा ऐसे गूगल का, जो ये भी न बता पाए कि एग्जाम में कौन-कौन से प्रश्न आने वाले हैं।
-प्रियांश, बिलासपुर

जीके क्विज-222

1. 73वें मिस वर्ल्ड 2026 का खिताब किसने जीता है?
2. हाल में भारत के पहले कार्बन गार्डन का उद्घाटन कहां किया गया है?
3. 19 सितंबर से एशियाई खेलों का आयोजन किस देश में शुरू होने वाला है?
4. भारत के किस शहर में कल से ब्रिक्स सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा?
5. महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन और शतक लगाने वाली खिलाड़ी कौन बन गई है?
6. राष्ट्रीय हिंदी दिवस किस तारीख को मनाया जाता है?
7. भारत के राष्ट्रपति को उसके पद की शपथ कौन दिलाता है?
8. 'अभिज्ञान शाकुंतलम' नामक ग्रंथ के रचयिता कौन है?
9. भारत में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य कौन-सा है?
10. विद्युत धारा का मात्रक क्या है?

बच्चो, जीके क्विज-222 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-221 का उत्तर : 1. डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, 2. 2020, 3. द्वितीय, 4. बिहार, 5. नई दिल्ली, 6. 1961 ई., 7. 6 से 14 वर्ष, 8. चाणक्य, 9. कैजिया लिज मेजो, 10. मिचेल स्टार्क

जीके क्विज-221 का सही उत्तर देने वाले : आकांक्षा-रायपुर, सचिन-बलौदा बाजार, कबीर-हिसार, कशिश-रायपुर, दीपक-सीतापुर, हर्षा-रोहतक, गुंजन-बिलासपुर, रोशन-बालोद, संजना-कांकेर, आलोक-दुर्ग, साकेत-दुर्ग

कहानी
विमला रस्तोगी

शिल्पी और मान्या के पैरेंट्स को तय करना था कि उनकी बेटियों को हिंदी को एक विषय के रूप में पढ़ना है या नहीं। शिल्पी-मान्या तो चाहती थीं कि वे हिंदी विषय लें, लेकिन शिल्पी के पापा इच्छुक नहीं थे कि उनकी बेटी हिंदी विषय ले। उधर मान्या के मम्मी-पापा दोनों ही उसे हिंदी विषय के रूप में दिलाने को तैयार नहीं थे। आखिर दोनों सहेलियां क्या हिंदी विषय लेकर साथ-साथ पढ़ पाईं?

हिंदी बनी दोस्ती की डोर

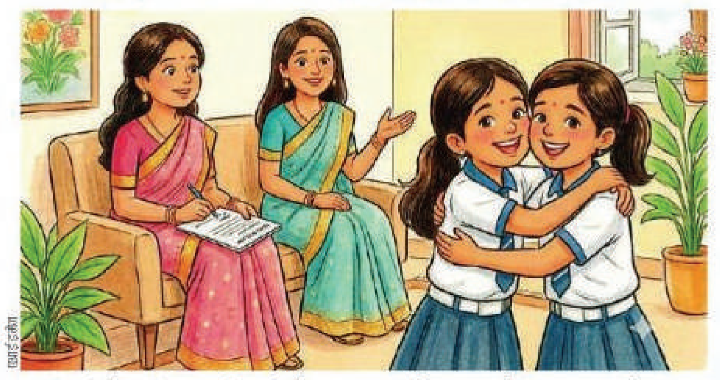

शिल्पी और मान्या दोनों सहेलियां पुणे के एक इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ती हैं। इसी स्कूल में साथ पढ़ते हुए दोनों की दोस्ती हुई। शिल्पी-मान्या दोनों इस साल कक्षा पांच में आ गई हैं। कक्षा चार तक अन्य विषयों के साथ हिंदी पढ़ना अनिवार्य था। अब कक्षा पांच में हिंदी लेना अनिवार्य नहीं था। बच्चे हिंदी के स्थान पर कोई विदेशी भाषा जैसे फ्रेंच या जर्मन ले सकते हैं।

शिल्पी की मम्मी चाहती थीं कि उनकी बेटी हिंदी ले, पर उसके पापा चाहते थे कि फ्रेंच ले। शिल्पी एक वर्ष पहले ही पुणे आई थी। इससे पहले वह तीन वर्ष अपने मम्मी-पापा के साथ शंघाई (चीन) में रही थी। शंघाई में उसकी मम्मी अपने परिचितों के बच्चों को हिंदी पढ़ना सिखाती थीं। वह शाम को एक घंटा बच्चों को हिंदी पढ़ाती थीं। शिल्पी भी उनके साथ बैठकर हिंदी पढ़ती थी। मम्मी का बच्चों को हिंदी पढ़ाना शिल्पी को बहुत अच्छा लगता था। उसे हिंदी से बहुत लगाव हो गया था।

मान्या भी अपने मम्मी-पापा के साथ ऑस्ट्रेलिया में रहकर पुणे आई थी। उसके मम्मी-पापा घर पर हिंदी में बात करते थे। ऑस्ट्रेलिया से आकर मान्या ने शिल्पी के स्कूल में दाखिला लिया। दोनों बहुत जल्दी अच्छी दोस्त बन गईं।

शिल्पी की हिंदी, मान्या से अच्छी थी। वह मान्या को होमवर्क करने में सहायता करती थी। शिल्पी हिंदी की बाल पत्रिकाओं में से कहानी पढ़कर मान्या को सुनाती तो उसे बहुत मजा आता। हिंदी के प्रति मान्या की रुचि बढ़ती जा रही थी। लेकिन मान्या के मम्मी-पापा उसे एक विषय के रूप में हिंदी दिलाने के लिए तैयार नहीं थे, जबकि मान्या हिंदी लेना चाहती थी।

शिल्पी ने एक दिन अपनी मम्मी से कहा, 'आप मान्या की मम्मी से बात करें, उन्हें समझाएं कि मान्या को हिंदी विषय लेने दें। उन्हें यह भी बताएं कि आप शंघाई में बच्चों को हिंदी पढ़ाती थीं। अपने देश की राजभाषा हिंदी पढ़ना जरूरी है।'

मम्मी बोलीं, 'ठीक है, मौका देखकर उनसे बात करूंगी।'

शिल्पी को चिंता थी कि पता नहीं मान्या हिंदी विषय ले पाएगी या नहीं? उसने एक दिन मम्मी का मोबाइल लेकर मान्या को फोन किया, बोली, 'सुन, मेरी मम्मी आज मेरे लिए पापा से फाइनल बात कर लेंगी कि कोई और भाषा नहीं, हिंदी भाषा ही लूं। तू भी अपनी मम्मी को समझा। अगर तूने हिंदी नहीं ली तो हम दोनों के सेक्शन अलग हो जाएंगे। आपस में मिलना कम हो जाएगा। हमारी दोस्ती में भी दूरी आ जाएगी।'

उधर से मान्या बोली, 'अभी बात नहीं कर सकती। घर पर मेहमान आए हैं।' कहकर उसने फोन काट दिया। शिल्पी उदास हो गई। रात को खाना खाने के बाद मम्मी ने पापा से बात की, उन्हें फिर से किसी तरह समझाया कि शिल्पी को हिंदी विषय लेने दें। पापा राजी हो गए। उन्होंने शिल्पी को प्यार से अपने पास बुलाया और बोले, 'बेटा, तुम विषय के रूप में हिंदी ले सकती हो।'

'थैंक यू, पापा!' कहकर शिल्पी पापा के गले से लिपट गई। शिल्पी बहुत खुश थी, लेकिन उसका ध्यान मान्या में ही अटका था। वह सोच रही थी, हिंदी हमारी राजभाषा है, यह इतनी प्यारी भाषा है कि इसे हर भारतीय को पढ़ना चाहिए, तो हम इसे क्यों ना पढ़ें?

अगले दिन स्कूल में पैरेंट्स को अपना निर्णय बताना था। शिल्पी अपनी मम्मी के साथ स्कूल समय से पहले पहुंच गई। कुछ ही देर में मान्या भी अपनी मम्मी के साथ आ गई। वे चारों गेस्ट रूम में बैठ गए।

'अब क्या निर्णय रहा आपका?' शिल्पी की मम्मी ने मान्या की मम्मी से पूछा।

उन्होंने बताया, 'कल मान्या के पापा के एक मित्र आए थे। वे एक प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी में हिंदी के प्रोफेसर हैं। कई साल तक विदेशों में भी हिंदी पढ़ा चुके हैं। उनके सामने मान्या के हिंदी को एक विषय के रूप में लेने वाली बात आई।'

'क्या कहा उन्होंने?' शिल्पी की मम्मी ने उत्सुकता से पूछा। 'यही कि आजकल विदेशों में रहने वाले भारतीय अपने बच्चों को हिंदी के ट्यूशन लगवा रहे हैं। इंटरनेशनल लेवल पर हिंदी का महत्व बढ़ा है। विदेशी यूनिवर्सिटीज अब हिंदी के प्रोफेसर रख रही हैं। हिंदी अनुवादकों की भी बहुत जगह जरूरत पड़ती है। इस तरह हिंदी विषय आपको अच्छी जॉब दिलाने में सहायता करता है। और फिर हर भारतीय को हिंदी भाषा अच्छे से आनी चाहिए। आप लोगों को खुश होना चाहिए कि आपकी बेटी की हिंदी पढ़ने में रुचि है।' मान्या की मम्मी ने बताया। शिल्पी की मम्मी ने पूछा, 'फिर आपने और मान्या के पापा ने क्या सोचा?'

'सोचना क्या था, आप पहले ही मुझे समझा चुकी थीं। इसलिए, हमने मान्या को हिंदी विषय लेने को कह दिया।' मान्या की मम्मी का इतना कहना था कि 'थैंक यू आंटी' कहते हुए शिल्पी ने मान्या को गले लगा लिया। खुशी से मान्या की आंखें भर आईं। दोनों सहेलियों की खुशी देखकर दोनों की मम्मी भी खुश हुईं।

सब खुशी-खुशी प्रिंसिपल के ऑफिस की तरफ चल दिए। यह बताने के लिए कि शिल्पी और मान्या अपनी प्यारी राजभाषा हिंदी पढ़ेंगी। *

कविता
सूर्य कुमार पांडेय

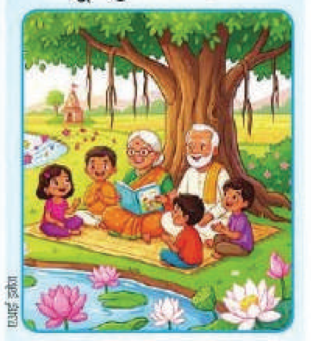

हिंदी सहज-सरल है

हिंदी सहज है, हिंदी सरल है।
भाषा की झीलों में खिलता कमल है।
यह हमको प्यारी, यह सबको प्यारी,
इसमें ही बसती है दुनिया हमारी।
इसकी पढ़ाई, इसमें लिखाई,
बोलें जो हिंदी में, होती बड़ाई।
भारत की वाणी का यह गंगाजल है।
हिंदी सहज है, हिंदी सरल है।
भाषा की झीलों में खिलता कमल है।
दादा और दादी, नाना और नानी,
हिंदी में हमको सुनाते कहानी।
हिंदी के गाने, मीठे तराने,
सब ही समझते हैं उनके माने।
यह मातृ भाषा है, पावन प्रबल है।
हिंदी सहज है, हिंदी सरल है।
भाषा की झीलों में खिलता कमल है।

रंग भरो-210

रंग भरो-210 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

शिफा, महासमुंद

आराना, जांजगीर
अद्विक, जांजगीर
कुजल, रायपुर
येवांशी, रायपुर
दिव्या, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

दिशा-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, सुजाता-भोपाल, कोमल-रोहतक, सिद्धांत-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, सोनिया-जांजगीर, प्रिया-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, कुणाल-करनाल, राजा-कोरबा

रंग भरो 211

बच्चो, यहां दिए गए ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में खुशी हिंदी कविताओं की किताब पढ़ रही है। तुम इस प्यारे-से चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे।